अविरल
गंगा में प्लास्टिक अपशिष्ट
को कम करना

सार्वजनिक आयोजनों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश

इसके द्वारा संचालित: ALLIANCE TO END PLASTIC WASTE

इसके द्वारा कार्यान्वित: giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

इसके सहयोग में: UN environment programme, FAITH FOR EARTH, SAAHAS 'zero waste' solutions, WASTE WARRIORS

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 1 02-06-2022 07:32:27 PM

द्वारा विकसित

Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

Dag-Hammarskjöld Weg 1-5
65760 Eschborn
Germany

Tel. +49 61 96 79-0

Fax +49 61 96 79-11 15

E-Mail: info@giz.de

www.giz.de

द्वारा समर्थित

Saahas NGO

#21, First Floor, MCHS Colony,
5th C Cross, 16th Main Rd, Stage 2, BTM Layout,
Bengaluru, Karnataka 560076

Waste Warriors Society

136/2/2 Shivam Vihar, Rajpur Rd, Jakhan,
Dehradun, Uttarakhand 248001

United Nations Environment Programme (UNEP) India

55, Lodhi Estate,
New Delhi 110003
India

Tel: +91-11-24628877

E-Mail: unepindia@un.org

www.unep.org

द्वारा संचालित

Alliance to End Plastic Waste

2 Science Park Drive #02-03/03
Ascent Building
Singapore 118222
Singapore

Tel. +65 8940 3985

यह आवश्यक नहीं है की इस प्रकाशन में व्यक्त किए गए विचार और राय इन दिशा निर्देशों को बनाने वाले लेखकों संस्थाओ या सरकारी अफसरों द्वारा कार्यान्वियन हेतु अपनाये गए रुख से सम्बन्ध रखते हो।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 2 02-06-2022 07:32:28 PM

अविरल
गंगा में प्लास्टिक अपशिष्ट
को कम करना

सार्वजनिक आयोजनों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश

इसके द्वारा संचालित: ALLIANCE TO END PLASTIC WASTE

इसके द्वारा कार्यान्वित: giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

इसके सहयोग में: UN environment programme, FAITH FOR EARTH, SAAHAS 'zero waste' solutions, WASTE WARRIORS

अविरल
गंगा में प्लास्टिक अपशिष्ट
को कम करना

सार्वजनिक आयोजनों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 4 02-06-2022 07:32:30 PM

सूची

भूमिका ii
परिचय 1
उद्देश्य 1
इन दिशा-निर्देशों को कैसे प्रयोग करे 2
योजना 3
वर्तमान आधारभूत संरचनाओं का आकलन 3
प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर उत्सर्जित अपशिष्ट के प्रकार एवं उसकी मात्रा 3
स्टॉल धारक प्रबंधन 4
अपशिष्ट सम्बन्धी आधारभूत संरचना एवं कर्मचारियों हेतु व्यय 5
अंतिम गंतव्य /प्रसंस्करण इकाइयों की पहचान 6
ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के उप-नियमों के अंतर्गत आवश्यकताएँ 7
कार्यक्रमों में अपशिष्ट को कम करने के उपाय 8
प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण 9
अपशिष्ट पृथक्करण 10
अपशिष्ट प्रवाह 11
कूड़ेदानों की सफाई और अपशिष्ट का परिवहन 12
अपशिष्ट को एकत्रण क्षेत्र एवं अंतिम गंतव्यों/प्रसंस्करण केन्द्रों तक पहुँचाना 12
आपदा प्रबंधन 13
जागरूकता एवं सहयोग कार्यक्रम 14
भूमिका एवं जिम्मेदारी 15
कार्यक्रम आयोजक 15
विक्रेता और स्टॉलधारक 16
सफाई कर्मचारी 17
पर्यवेक्षक 17
गतिविधियों की संभावित समय सारिणी 18
क्या करें और क्या न करें 20
विक्रेता/ स्टॉलधारक 20
प्रतिभागी 20
स्वयंसेवक 21
सफाई कर्मचारी 21
आस्था-आधारित संगठन एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 22
अपशिष्ट ऑडिट एवं आयोजनों से सीखना 25
अनुलग्नक 1- कूड़ेदानों एवं आवश्यक कर्मचारियों के लिए मान्य मानक 28
अनुलग्नक 2- आस्था, शास्त्र और अपशिष्ट प्रबंधन 30
सन्दर्भ 38

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 5 02-06-2022 07:32:31 PM

भूमिका

अविरल - गंगा में प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करने के लिए भारत में उत्तराखंड राज्य के दो गंगा शहरों हरिद्वार एवं ऋषिकेश में कार्यरत एक पायलट परियोजना है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण में जाने वाले प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करना है। यह परियोजना एलायंस टू एंड प्लास्टिक वेस्ट द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए कार्यरत जर्मन विकास एजेंसी - Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) द्वारा साहस एन० जी० ओ० एवं वेस्ट वारियर्स सोसायटी के साथ मिलकर इन शहरों में कार्यान्वित किया जा रहा है। एशियाई महाद्वीप में समुद्री अपशिष्ट की समस्या का क्षेत्रीय स्तर पर समाधान करने हेतु संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) जापान द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजना काउंटर मिजर (CounterMEASURE) के द्वितीय चरण में गंगा और मेकांग जैसी प्रमुख प्रदूषित नदियों पर ध्यान केंद्रित कर काम कर रहा है। हरिद्वार नगर भी इस परियोजना के अंतर्गत कार्यान्वित किए जा रहे शहरों में से एक है, जिसमें विभिन्न गतिविधियों द्वारा समुद्री अपशिष्ट को बढ़ने से रोकने हेतु प्रयास किए जा रहे है।

हरिद्वार शहर में प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रबंधन की चुनौतियों हेतु समान उद्देश्य एवं प्रयासों के अंतर्गत जनवरी 2021 में इन दोनों परियोजनाओं को आपस में सहयोग देने का प्रस्ताव रखा गया, जिससे परियोजना के दृष्टिकोण को संरेखित करने, साझा प्रक्रियाओं का लाभ उठाते हुए उन्हें बढ़ाने एवं धरातल स्तर पर प्रयासों पर और अधिक बल दिया जा सके।

सार्वजनिक आयोजनों में उत्पन्न अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए ये दिशा-निर्देश साहस एन० जी० ओ० एवं वेस्ट वारियर्स सोसायटी द्वारा जी० आइ० जेड० के सुझावों को दृष्टिगत रखते हुए बनाए गए हैं। यूएनईपी द्वारा चलाई जा रही एक पहल "पृथ्वी के लिए आस्था" ने धार्मिक आस्था से जुड़े हुए अनेक शास्त्रों एवं देश भर में विभिन्न आस्था केंद्रों द्वारा अच्छी प्रथाओं में अपनाई जा रही अपशिष्ट प्रबंधन की परम्पराओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

भंडारा कार्यक्रम में अपशिष्ट पृथक्करण

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 6 02-06-2022 07:32:32 PM

परिचय

किसी भी प्रकार का सार्वजनिक कार्यक्रम, अपशिष्ट उत्सर्जन की दृष्टि से स्वयं में विशिष्ट होता है, क्योंकि इस प्रकार के आयोजनों में उस कार्यक्रम की अस्थायी जनसंख्या एवं आगंतुकों द्वारा बहुत ही कम समय में काफी अधिक मात्रा में अपशिष्ट उत्पन्न किया जाता है। आमतौर पर ऐसे सार्वजनिक आयोजनों में उत्पन्न अपशिष्ट का उचित प्रकार से प्रबंधन नहीं किया जाता है, एवं कार्यक्रम स्थल और उसके आस पास लगे कूड़े के ढेर, कूड़े के जल्दी निपटान के लिए मिश्रित कूड़े को एकत्र किया जाना आदि आम दृश्य है। इससे न केवल पर्यावरण को हानि होती है, अपितु भारत सरकार द्वारा बनाये गए अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों का भी उल्लंघन होता है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 एवं उत्तराखंड राज्य में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर बने नगर विशेष उप-नियमों के अंतर्गत, यदि कोई भी व्यक्ति एक ऐसा कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें 100 या उससे अधिक व्यक्तियों के आने का अनुमान है, तो उसके लिए यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि आयोजन स्थल पर उत्पन्न अपशिष्ट को उसके स्रोत पर ही अलग-अलग एकत्रित किया जाए तथा इस अलग किए हुए अपशिष्ट को स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित अपशिष्ट संग्रहकर्ता अथवा किसी अधिकृत एजेंसी को ही दिया जाए। अतः इन नियमों के अनुसार, कार्यक्रम आयोजक इन कार्यक्रमों में उत्पन्न अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है।

उपरोक्त नियमों को ध्यान में रखते हुए, इन दिशा-निर्देशों को कार्यक्रम आयोजकों की सहायता हेतु विकसित किया गया है, जिससे निकट भविष्य में आयोजित होने वाले किसी भी प्रकार के सार्वजनिक आयोजनों में उत्पन्न अपशिष्ट का एक प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा सके। ये दिशा-निर्देश उत्सर्जित अपशिष्ट की मात्रा को कम करने, कार्यक्रमों में अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की सुविधा के साथ-साथ, इससे संसाधनों की पुनः प्राप्ति को भी अपने निर्धारित चरणबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने में सहयोग करेंगे।

उद्देश्य

1. सार्वजनिक आयोजनों में अपशिष्ट को स्रोत पर ही तीन श्रेणियों के अनुसार अलग-अलग करना।
2. सार्वजनिक आयोजनों के समय अर्थात एक सीमित स्थान में एक बड़ी अस्थायी आबादी द्वारा अधिक मात्रा में उत्पन्न अपशिष्ट को संभालने और उसे संसाधित करने के लिए।
3. अपशिष्ट को सतत एवं प्रभावी रूप से प्रबंधित करते हुए,अधिक से अधिक अपशिष्ट को लैंडफिल और डंप साइट में जाने से रोकने के लिए एवं अन्य तरीकों द्वारा उनसे उपयुक्त संसाधनों की प्राप्ति को सुनिश्चित करना।
4. सार्वजनिक आयोजनों में संसाधनों का कम से कम उपयोग (रिड्यूसिंग) एवं पुनः उपयोग (रियूजिंग) के अभ्यासों को बढ़ावा देना।
5. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 (संशोधन 2021), और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर बने नगर विशेष उप-नियमों का अनुपालन करने के लिए।
6. अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता फैलाने और व्यावहारिक तौर पर इसे अपनाने पर बल देने हेतु।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 1 02-06-2022 07:32:33 PM

इन दिशा-निर्देशों को कैसे प्रयोग करें

इन दिशा निर्देशों के उपयोगकर्ता को अपने कार्यक्रम/ आयोजन का सन्दर्भ लेते हुए पढ़ना चाहिए । इन्हे किसी विशेष कार्यक्रमों के अनुसार संशोधित कर प्रयोग में लाया जा सकता है । इन दिशा-निर्देशों को अलग-अलग चरणों में विभाजित किया गया है, जिन्हे अलग अलग रंगो से दर्शाया गया है। इनमे कार्यक्रम से पूर्व की जाने वाली , कार्यक्रम के दौरान एवं कार्यक्रम के पश्चात की जाने वाली गतिविधिया प्रमुख है । वे निम्न वर्णित है :

कार्यक्रम से पूर्व की जाने वाली गतिविधियां :

1. **आयोजन हेतु योजना:** इसके अंतर्गत अपशिष्ट संबंधित आधारभूत संरचना, एवं श्रम शक्ति के लिए मूल्यांकन, अपशिष्ट के प्रकार और उसकी मात्रा का आकलन और कार्यक्रम में उत्पन्न विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट के संभावित अंतिम गंतव्य शामिल हैं।
2. **अपशिष्ट को कम करने के उपाय:** अपशिष्ट के प्रबंधन के सर्वोत्तम तरीकों में से एक, इसके उत्सर्जन को कम करना है। इन दिशा-निर्देशों का यह भाग ऐसे सार्वजनिक आयोजनों में अपशिष्ट को कम करने के लिए विभिन्न विकल्प सुझाता है।
3. **प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण:** यह भाग अपशिष्ट प्रबंधन के लिए काम कर रहे सफाई कर्मियों के लिए जरूरी प्रशिक्षण सामग्री एवं उनके प्रशिक्षण से संबंधित है।

कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली गतिविधियां:

1. **अपशिष्ट का पृथक्करण एवं इसके पृथक्करण से लेकर निपटान तक का प्रवाह:** यह भाग कूड़ेदान में अपशिष्ट के पृथक्करण से लेकर, आयोजन परिसर में इसके एकत्रण एवं उसके बाद, उचित प्रसंस्करण सुविधाओं तक इसके गंतव्य के तरीकों पर प्रकाश डालता है।
2. **जागरूकता एवं सहभागिता सम्बन्धी गतिविधियाँ:** यह भाग उन जनसदस्यों और अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता के स्तर को बढ़ाने से संबंधित है, जो अपशिष्ट की समस्या, विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट के लिए अलग कूड़ेदान का उपयोग करते हैं तथा अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यक्रम में शामिल होते है।

कार्यक्रम के बाद की जाने वाली गतिविधियां:

1. **अपशिष्ट के उचित प्रसंस्करण और इसके निपटान सुनिश्चित करना :** दिशा-निर्देशों का यह भाग आयोजन के उपरान्त परिसर में रह गए अपशिष्ट के उचित प्रबंधन पर बल देता है और उन संस्थाओं के साथ अनुसरण करता है, जिन्हें आयोजन द्वारा अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए सुनिश्चित किया गया था।
2. **आयोजनों हेतु अपशिष्ट ऑडिट और अन्य सीख :** दिशा-निर्देशों का यह भाग विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से मिली सीख और अपशिष्ट ऑडिट के प्रारूप से संबंधित है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 2 02-06-2022 07:32:33 PM

योजना

वर्तमान आधारभूत संरचनाओं का आकलन

1. कृपया देखें कि क्या कूड़ेदान, एचडीपीई बैग, ट्रॉली/पुशकार्ट/वाहन, डिस्प्ले स्क्रीन (यदि कोई हो) जैसी बुनियादी सुविधाएं पहले से ही उपलब्ध हैं।
2. कृपया देखें कि सार्वजनिक कार्यक्रम में उत्पन्न हो रहे सभी प्रकार के अपशिष्ट के इकट्ठा करने के लिए जगह उपलब्ध है या नहीं। इस स्थान को अपशिष्ट प्रबंधन इकाई/एकत्रीकरण क्षेत्र कहा जाता है।
3. अपशिष्ट के परिवहन के लिए सभी विकल्पों का आकलन करें
   - › कृपया अपने पास उपलब्ध ट्रॉलियों/पुशकार्ट/वाहनों की संख्या (यदि कोई हो),और अलग किए गए अपशिष्ट के परिवहन के लिए उनकी क्षमता की जांच करें।
   - › कृपया जांचें कि क्या वे अपशिष्ट का परिवहन करने में सक्षम होंगे (i) समारोह में स्थापित किये गए डिब्बों से एकत्रीकरण क्षेत्र तक और/या (ii) अलग अलग प्रकार के अपशिष्ट के लिए एकत्रीकरण क्षेत्र से उनके अंतिम गंतव्य तक। किसी समारोह में उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट से लेकर इसकी प्रक्रिया/ शहर में इसके अंतिम गंतव्य के चक्र को समझने के लिए कृपया 'अपशिष्ट प्रवाह' के अंतर्गत दिए गए वेस्ट फ्लो चार्ट का संदर्भ लें।

नोट: वर्तमान में उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं की जांच से अतिरिक्त आवश्यकताओं को समझने में सहायता मिलेगी।

4. यदि आपके पास आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं है, तो कृपया ऐसी सेवाओं का पता लगाएं जो नगर निकाय और/या ऐसी सेवाओं के लिए सुविधा प्रदान करने वाले आपको प्रदान कर सकते है।

प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर उत्सर्जित अपशिष्ट के प्रकार एवं उसकी मात्रा

1. प्रतिदिन कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या का अनुमान लगाएं। यह एक RSVP (प्रतिउत्तर) विकल्प बनाकर या इसी प्रकार के पिछले किसी समारोह के बारे में उपलब्ध जानकारी के आधार पर किया जा सकता है।
2. समारोह के प्रकार के आधार पर वहां उत्सर्जित होने वाले विभिन्न अपशिष्टों की पहचान करें।

नोट: उदाहरण के लिए, एक धार्मिक आयोजन में फूलों के अपशिष्ट जैसा अधिक जैविक अपशिष्ट होगा जबकि एक व्यापार प्रदर्शनी में अधिकतम कार्डबोर्ड, प्लास्टिक या कागज का अपशिष्ट होगा।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 3 02-06-2022 07:32:33 PM

3. सार्वजनिक कार्यक्रम में उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट की विशिष्ट श्रेणियां:
   - जैविक/गीला अपशिष्ट - खाद्य सम्बन्धी अपशिष्ट, फल और सब्जियां, फूल, और इसी प्रकार की वस्तुएं।
   - अजैविक / सूखा अपशिष्ट - कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, पैकेजिंग और लकड़ी की वस्तुएं।
   - घरेलू हानिकारक अपशिष्ट - उपयोग किये गए टिश्यू पेपर, सैनिटरी अपशिष्ट जैसे डायपर और सेनेटरी पैड, पट्टियाँ, दस्ताने और मास्क।
   - मिश्रित अपशिष्ट - सूखे/गीले/घरेलू हानिकारक अपशिष्ट का मिश्रण।

नोट: विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट की पहचान करने से अलग अलग प्रकार के अपशिष्ट के पृथक्करण, संग्रह और प्रसंस्करण को सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

नोट: सही बिन का उपयोग करना और स्रोत पर ही अपशिष्ट को अलग रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक बार मिश्रित होने के बाद, इससे संसाधनों की पुनर्प्राप्ति नहीं की जा सकती है।

4. प्रतिभागियों द्वारा प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट की मात्रा का अनुमान लगाएं।

   इसकी गणना निम्न प्रकार से की जा सकती है: प्रतिभागियों द्वारा उत्पन्न कुल अपशिष्ट = प्रतिभागियों की संख्या x एक प्रतिभागी द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट की अनुमानित मात्रा (अर्थात [50 ग्राम-700 ग्राम)

प्रत्येक प्रतिभागी के द्वारा उत्सर्जित अपशिष्ट की मात्रा मुख्य रूप से कार्यक्रम में परोसे जाने वाले भोजन/उनकी संख्या, कार्यक्रम में उपयोग किए जाने वाले डिस्पोजेबल (जैसे डिस्पोजेबल कटलरी, डिब्बाबंद पीने का पानी आदि) और कार्यक्रम के दिनों की संख्या पर निर्भर करती है। यदि अपशिष्ट को कम करने के लिए कोई सुझाव लागू नहीं है, तो ऐसी स्थिति में निम्नलिखित सामान्य नियम पर विचार किया जा सकता है:

परोसे जाने वाले भोजन की संख्या	प्रत्येक प्रतिभागी द्वारा अपेक्षित अपशिष्ट मात्रा (प्रतिदिन)
कोई भोजन नहीं	50 ग्राम
1-2 बार भोजन	100 - 300 ग्राम
3 बार भोजन	310 - 450 ग्राम
4-5 बार भोजन	460 ग्राम - 700 ग्राम

स्टॉल धारक प्रबंधन

1. किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में स्टॉल लगाने वाले विक्रेताओं यानी स्टॉलधारकों को आयोजक द्वारा मंजूरी दी जानी चाहिए। इससे आयोजन में स्टॉल धारकों की संख्या, प्रकार और उनके द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट के प्रकार की पहचान करने में सहायता मिलेगी। उदाहरण के लिए, खाने पीने के स्टॉल अधिक जैविक (गीला) अपशिष्ट उत्पन्न करेंगे जबकि खेल सम्बन्धी स्टॉल केवल अजैविक (सूखा) अपशिष्ट उत्पन्न करेंगे।
2. यह पहले से निर्धारित किया जाना चाहिए कि स्टॉलों को स्थापित करने और हटाने से यदि कोई अपशिष्ट उत्पन्न होता है, तो उसका प्रबंधन स्वयं स्टॉलधारक या आयोजक द्वारा ही किया जाएगा।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 4 02-06-2022 07:32:33 PM

3. स्टालों की स्थापना और उन्हें हटाने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले किसी भी अपशिष्ट को केवल निर्धारित अपशिष्ट एकत्रीकरण क्षेत्र में ही ठीक से निपटाया जाए ।
4. स्टालों का स्थान पूर्व निर्धारित होना चाहिए।

अपशिष्ट सम्बन्धी आधारभूत संरचना एवं कामगारों हेतु व्यय

1. आवश्यक कूड़ेदानों की संख्या की गणना निम्न आधार पर करें: (i) कूड़ेदान की क्षमता, (ii) कार्यक्रम/ समारोह में उत्पन्न अपशिष्ट की अनुमानित मात्रा तथा (iii) बार-बार कूड़ेदान को खाली करने की अवधि ।
2. आयोजन स्थल और एकत्रीकरण क्षेत्र, दोनों के लिए कूड़ेदान उपलब्ध होने चाहिए। **अनुलग्नक 1** में निर्धारित सांकेतिक संख्या के अनुसार किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति के लिए 20% अतिरिक्त कूड़ेदान / HDPE बैग उपलब्ध होने चाहिए।
3. छोटे वाहनों जैसे हाथगाड़ी / रेड़ा आदि की आवश्यकता की पहचान करें, जिनमें विभाजक (सेप्रेटर्स) लगे हों, जो कूड़ेदानों को खाली करने और अपशिष्ट को एकत्रीकरण स्थल तक ले जाने के लिए आवश्यक होते है। यदि अपशिष्ट को कूड़ेदान सहित ले जाया जाता है, तो उसके स्थान पर रखने के लिए एक अतिरिक्त कूड़ेदान की व्यवस्था हो।
4. निम्नलिखित जिम्मेदारियों के लिए व्यक्तियों की आवश्यकता होगी :
   - कूड़ेदानों में पृथक्करण सुनिश्चित करने एवं भरे हुए कूड़ेदानों को बदलने के लिए **अनुलग्नक 1** में निर्धारित संख्या के अनुसार।
   - कूड़ा उठाने और जगह को साफ रखने के लिए सफाई कर्मचारी।
   - प्रत्येक 10 सफाई कर्मचारियों के लिए, 1 सफाई पर्यवेक्षक की नियुक्ति ।
   - सफाई कर्मचारी अपशिष्ट संग्रह वाहनों के उपयोग से कूड़ेदानों को साफ करते हुए अपशिष्ट को अपशिष्ट एकत्रीकरण क्षेत्र में भी ले जा सकते हैं।
   - सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु एक सामान्य नियम का उपयोग किया जा सकता है, जिसमे प्रतिदिन आने वाले प्रत्येक पृथक्कृत 500 किलोग्राम अपशिष्ट के लिए 1 सफाई कर्मचारी तथा आने वाले मिश्रित अपशिष्ट के प्रत्येक 250 किलोग्राम के लिए 1 सफाई कर्मचारी की नियुक्ति एकत्रीकरण बिंदुओं पर की जा सकती है। वे सूखे अपशिष्ट को एकत्र करेंगे और यदि आवश्यक हो तो उसे आगे विभिन्न श्रेणियों में अलग भी करेंगे।
   - यदि समारोह पूरे दिन यानी 16-18 घंटे के लिए है, तो कृपया दूसरी शिफ्ट के लिए अतिरिक्त लोगों का एक समूह अवश्य नियुक्त करे। यहाँ प्रत्येक शिफ्ट से आशय 8 घंटे से है।

नोट: 1. यदि लोगों की कमी है, तो यह पहचानें और निर्धारित करें कि अधिकतम अपशिष्ट कहाँ उत्पन्न होगा, जैसे कि खाद्य स्टालों के पास, और उस क्षेत्र में अपशिष्ट का पृथक्करण सुनिश्चित करने के लिए सफाई कर्मचारियों को नियुक्त करें।

2. स्रोत पर अपशिष्ट को अलग-अलग रखने और सही कूड़ेदान एवं जागरूकता/IEC गतिविधियों को सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों को नियुक्त किया जा सकता है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 5 02-06-2022 07:32:33 PM

अंतिम गंतव्य /प्रसंस्करण इकाइयों की पहचान

1. कृपया समारोह में एकत्रित अपशिष्ट की विभिन्न प्रकारों के प्रसंस्करण/चक्रण के लिए आस पास नजदीकी प्रसंस्करण सुविधाओं की पहचान करें और उन्हें इस प्रक्रिया में सम्मिलित करें।

क्रमांक	अपशिष्ट का प्रकार	अंतिम गंतव्य /प्रसंस्करण इकाइयां
1.	गीला अपशिष्ट (जैविक)/ खाद्य सम्बन्धी अपशिष्ट	कम्पोस्टिंग यूनिट/बायोगैस प्लांट/सुअर पालन केंद्रों /गौशाला/ नगरीय प्रसंस्करण सुविधा
2.	सूखा अपशिष्ट (अजैविक)	कबाड़ व्यापारी/ अपशिष्ट बीनने वाले /MRF (मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) / नगर में स्थित सूखे अपशिष्ट के प्रसंस्करण संयंत्र
3.	घरेलू हानिकारक अपशिष्ट	इनसिनिरेटर/नगर में स्थित सूखे अपशिष्ट के प्रसंस्करण संयंत्र
4.	मिश्रित अपशिष्ट (सूखे/गीले/घरेलू हानिकारक अपशिष्ट का मिश्रण)	नगर में स्थित सूखे अपशिष्ट के प्रसंस्करण संयंत्र/लैंडफिल

नोट: साफ़ पुनर्चक्रण योग्य सूखे अपशिष्ट को बेचकर भी कुछ अतिरिक्त धन प्राप्त हो सकता है।

घरेलू हानिकारक अपशिष्ट: आमतौर पर समारोह में उत्पन्न कुल अपशिष्ट का 10% से अधिक होने की सम्भावना नहीं है।

2. कृपया यह अवश्य देखे कि एकत्रित अपशिष्ट के एकत्रीकरण बिंदु से प्रसंस्करण सुविधाओं तक परिवहन के लिए कौन जिम्मेदार होगा, इसमें नगर निगम /नगरीय निकाय स्वयं अथवा उनके द्वारा अधिकृत कोई एजेंसी भी शामिल हो सकती है। ऐसी एजेंसी अलग/पृथक किए गए अपशिष्ट के प्रसंस्करण/अंतिम गंतव्यों के लिए उचित परिवहन के लिए जिम्मेदार होगी। इस प्रक्रिया में जीपीएस सक्षम वाहनों को वरीयता दी जानी चाहिए, जिससे कि अपशिष्ट की आवाजाही को ट्रैक किया जा सके।

3. बचे हुए अथवा अतिरिक्त भोजन के लिए, आयोजक/विक्रेता/स्टॉलधारक उन संगठनों के साथ भी गठबंधन कर सकते हैं, जो कि गरीब या जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन उपलब्ध कराते हैं। बचे हुए भोजन को अलग से रखा जाना चाहिए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि यह किसी भी अपशिष्ट के संपर्क में ना आए । यह सुनिश्चित करने के लिए कि भोजन खाने योग्य है, इन संगठनों द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन भोजन एकत्र करना चाहिए।

4. धार्मिक या अन्य प्रकार के समारोह में प्रसाद के रूप में चढ़ाये गए फूलों का पुनः उपयोग कर इनसे साबुन, अगरबत्ती, हर्बल रंग, सूखे फूल, इत्र आदि बनाए जा सकते है। उदाहरण के लिए गेंदे के फूलों का प्रयोग अगरबत्ती बनाने के लिए और गुलाब के फूल को गुलाबजल बनाने के लिए किया जा सकता है। इस हेतु शहर में स्थित किसी संस्था या स्वयंसेवी समूह आदि से संपर्क किया जा सकता है।

5. कुछ विशेष प्रकार के अपशिष्ट प्रकारों का प्रबंधन करने हेतु पुनर्चक्रण प्रक्रियाओं को अपनाया जाना चाहिए। जैसे कपड़े आदि के रूप में निकले अपशिष्ट से कपड़े के थैले, सजावट की वस्तुएं आदि बनायी जा सकती है। इसके अलावा पुराने प्लास्टिक बैनर का उपयोग टेबल या बेड बेस मैट, टेंट या छत सामग्री के रूप में किया जा सकता है।

6. सार्वजनिक आयोजनों में प्रयुक्त प्लास्टिक की बोतलों के प्रबंधन के लिए आयोजकों द्वारा 'बोतल/कंटेनर जमा कार्यक्रम' का क्रियान्वयन किया जा सकता है। यह उन बड़े आयोजनों के लिए प्रस्तावित है, जिनमें 3000 से अधिक व्यक्तियों की भागीदारी की अपेक्षा है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 6 02-06-2022 07:32:34 PM

बोतल/कंटेनर जमा योजना की प्रक्रिया

प्रक्रिया चरण:

› एक उपभोक्ता जब प्लास्टिक/कांच की बोतल या एलुमिनियम के कैन / डिब्बे में कोई भी पेय पदार्थ खरीदता है, तो आयोजकों द्वारा उन्हें आयोजन स्थल पर स्थापित एक विशेष मशीन में उसे डालने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इन मशीनों का पर्यवेक्षण करने वाले लोग उस उपभोक्ता को त्वरित कोई वित्तीय लाभ दे सकते है अथवा उनकी अगली खरीद पर कोई छूट प्रदान कर सकते है।

› इस प्रकार एकत्र की गयी बोतलों को रीसाइक्लिंग के लिए अन्य सहयोगियों को भेजा जाता है।

› इस मॉडल में अंतर्निहित वित्तीय प्रोत्साहन प्लास्टिक/कांच/एल्यूमीनियम आदि का पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण के लिए अवसर प्रदान करता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के उप-नियमों के अंतर्गत आवश्यकताएँ

1. किसी कार्यक्रम में जिसमें 100 से अधिक लोगों के आने का अनुमान हो वहां कार्यक्रम के आयोजक को कार्यक्रम से लगभग 3 दिन पहले से स्थानीय प्राधिकरण से लिखित अनुमति ले लेनी चाहिए।
2. अपशिष्ट को अलग-अलग रखा जाना चाहिए और आयोजन परिसर से अपशिष्ट को ले जाने वाली एजेंसियों को भी इसी प्रकार अलग-अलग करके दिया जाना चाहिए।
3. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत, अपशिष्ट को अलग करने और सफाई सुनिश्चित करने में विफलता के परिणामस्वरूप कार्यक्रम के आयोजक पर कुछ आर्थिक दंड का भी प्रावधान है। उदाहरण के लिए, "उत्तराखंड राज्य के नगर-विशेष उप नियमों" के अंतर्गत इसमें विफल रहने पर आयोजकों पर 15000 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 7 02-06-2022 07:32:34 PM

कार्यक्रमों में अपशिष्ट को कम करने के उपाय

1. सभी एकल उपयोग वाली प्लास्टिक (सिंगल यूज़ प्लास्टिक) और डिस्पोजेबल जैसे टिशू पेपर, प्लास्टिक स्ट्रॉ, पेपर कप, प्लास्टिक प्लेट, चम्मच इत्यादि (जहां तक संभव हो) के उपयोग से बचें। यह उत्तराखंड राज्य के अंतर्गत प्लास्टिक प्रतिबंध के नियमों के अनुरूप है।
2. कृपया भोजन परोसने और पीने के लिए स्टील या अन्य पुन: प्रयोग किये जा सकने वाले बर्तन का उपयोग करें और डिस्पोजेबल के उपयोग से बचें।
3. यदि स्टील या पुन: प्रयोग वाली प्लेट, चम्मच इत्यादि संभव नहीं है, तो कृपया कम्पोस्टेबल अथवा जैविक (बायोडिग्रेडेबल) सामग्री जैसे खोई, बांस या पत्तियों से बने बर्तनों के विकल्पों का उपयोग करें।
4. समारोह स्थल पर उचित दूरी पर पानी के डिस्पेंसर रखे जिससे कि लोग पानी पीने या अपनी पानी की बोतलें फिर से भरने के लिए उपयोग कर सके। सभी प्रतिभागियों को अपनी बोतल लाने के लिए प्रोत्साहित करें।
5. पुन: उपयोग न की जा सकने वाले प्लास्टिक में पैक की गई वस्तुओं के बजाय ऐसे स्थानीय मिठाई, बिस्कुट या अन्य खाद्य पदार्थों का उपयोग करें जो कि पुन: प्रयोज्य कंटेनरों में पैक हो।
6. आयोजन में पुन: प्रयोग की जा सकने वाली सजावट के उपयोग को प्रोत्साहित करें और अन्य सजावट जैसे गुब्बारे, प्लास्टिक की सजावट, प्लास्टिक के फूल आदि के उपयोग से बचें।
7. ऐसे धार्मिक प्रसाद के उपयोग से बचें जिसमें प्लास्टिक सम्मिलित हो, जैसे प्लास्टिक की पन्नी में पैक किया हुआ प्रसाद ।
8. एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक/विनाइल फ्लेक्स बैनर के बजाय कपड़े के बैनर का इस्तेमाल करें।
9. प्रतिभागियों को पेपर टिकट के बजाय ई-टिकट/टिकट कोड दिए जाए।
10. विज्ञापनों, आमंत्रणों आदि के लिए पेपर फ़्लायर, पैम्फलेट आदि के उपयोग से बचें और विज्ञापन, आमंत्रण और आयोजन से संबंधित अन्य जानकारी के लिए पुन: प्रयोग की जाने वाली या डिजिटल सामग्री के उपयोग को प्रोत्साहित करें।
11. आयोजन परिसर में धूम्रपान को प्रतिबंधित करें या धूम्रपान करने वाले क्षेत्रों को निर्धारित करें जहां सिगरेट के बचे हुए बट्स के लिए कूड़ेदान रखे जाए।
12. कृपया किसी समारोह के लिए विशिष्ट अपशिष्ट को कम करने के अन्य तरीकों का भी आकलन करें।

नोट: यदि अपशिष्ट उत्पादन कम होता है, तो किसी भी आयोजन में प्रबंधन के लिए अपशिष्ट भी कम हो सकता है ।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 8 02-06-2022 07:32:34 PM

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण

1. कृपया कार्यक्रम से पहले विक्रेताओं, सफाई कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों, स्वयंसेवकों और अन्य हितधारकों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन योजना के बारे में प्रशिक्षण सत्र आयोजित करें।
2. प्रशिक्षण में निम्नलिखित विषय सम्मिलित होने चाहिए :
   - अपशिष्ट के प्रकार तथा प्रत्येक प्रकार के अपशिष्ट के लिए अलग कूड़ेदान
   - अपशिष्ट के रख-रखाव और प्रबंधन के लिए आधारभूत आवश्यकताओं की खरीद एवं इस्तेमाल
   - कूड़ेदानों से अपशिष्ट एकत्रण केन्द्रों और उसके बाद अंतिम गंतव्यों तक अपशिष्ट की यात्रा
   - अलग- अलग अपशिष्ट के प्रकारों के अंतिम गंतव्यों का विवरण
   - डिब्बे की निकासी की आवृत्ति
   - पर्यवेक्षकों का विवरण, आवंटित क्षेत्र और अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में विशिष्ट जिम्मेदारियों का अवलोकन
   - प्रतिभागियों को कूड़ा न डालने और अपशिष्ट के लिए सही बिन का उपयोग सम्बन्धी मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक कौशल
   - एकल उपयोगी प्लास्टिक एवं डिस्पोजेबल्स का स्थायी समाधान
   - अपशिष्ट के रख-रखाव के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल
   - अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों का डेटा संग्रह और निगरानी

सैंपल प्रशिक्षण सामग्री यहाँ उपलब्ध है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 9 02-06-2022 07:32:34 PM

अपशिष्ट पृथक्करण

1. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 में इसके संशोधन के अंतर्गत स्रोत पर अपशिष्ट का उचित पृथक्करण आवश्यक है और प्रत्येक आयोजन में यह अनिवार्य होना चाहिए। प्रत्येक अलग प्रकार के अपशिष्ट के लिए ढक्कन या कवर के साथ अलग कूड़ेदान होने चाहिए जिनमें निम्नलिखित श्रेणी शामिल हैं:

   › गीला अपशिष्ट /जैविक/ खाद्य सम्बन्धी अपशिष्ट - हरा कूड़ेदान

   › सूखा अपशिष्ट /अजैविक - नीला कूड़ेदान/HDPE बैग

   › घरेलू हानिकारक अपशिष्ट - लाल कूड़ेदान

नोट: कृपया इन जानकारियों को अच्छे से समझने के लिए कूड़ेदानों के ऊपर अपशिष्ट के प्रकारों के उदाहरण दिखाते हुए चित्र/लेबल लगाएं। सूचना हेतु प्रयोग की गयी सभी वस्तुएं/चित्र या अन्य सामग्री का पुन: उपयोग किया जाना सुनिश्चित अवश्य करें।

उदाहरण के लिए, गीले अपशिष्ट के कूड़ेदान पर, आसानी से समझने के लिए पके हुए भोजन, फल आदि के चित्र लगाएं। कृपया इसे और अच्छे से समझने के लिए नीचे 'जागरूकता एवं सहभागिता सम्बन्धी गतिविधि' के अंतर्गत IEC सामग्री देखें।

एक कार्यक्रम में अपशिष्ट पृथक्करण

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 10 02-06-2022 07:32:35 PM

अपशिष्ट प्रवाह

नीचे दिए गए चित्र में कूड़ेदानों में संग्रहित अपशिष्ट (अलग-अलग श्रेणी में एकत्रित) के प्रवाह को किसी आयोजन परिसर में उसके एकत्रीकरण केंद्र एवं इसके बाद, संसाधनों की पुनः प्राप्ति के लिए शहर के अंदर विभिन्न प्रसंस्करण स्थलों के मार्ग को दर्शाया गया है। बचे हुए भोजन को अलग से एकत्रित किया जाना चाहिए और इसे अन्य अपशिष्ट के संपर्क में लाये बिना सीधे उपयुक्त संगठनों को भेजा जाना चाहिए।

चित्र: अपशिष्ट का प्रवाह

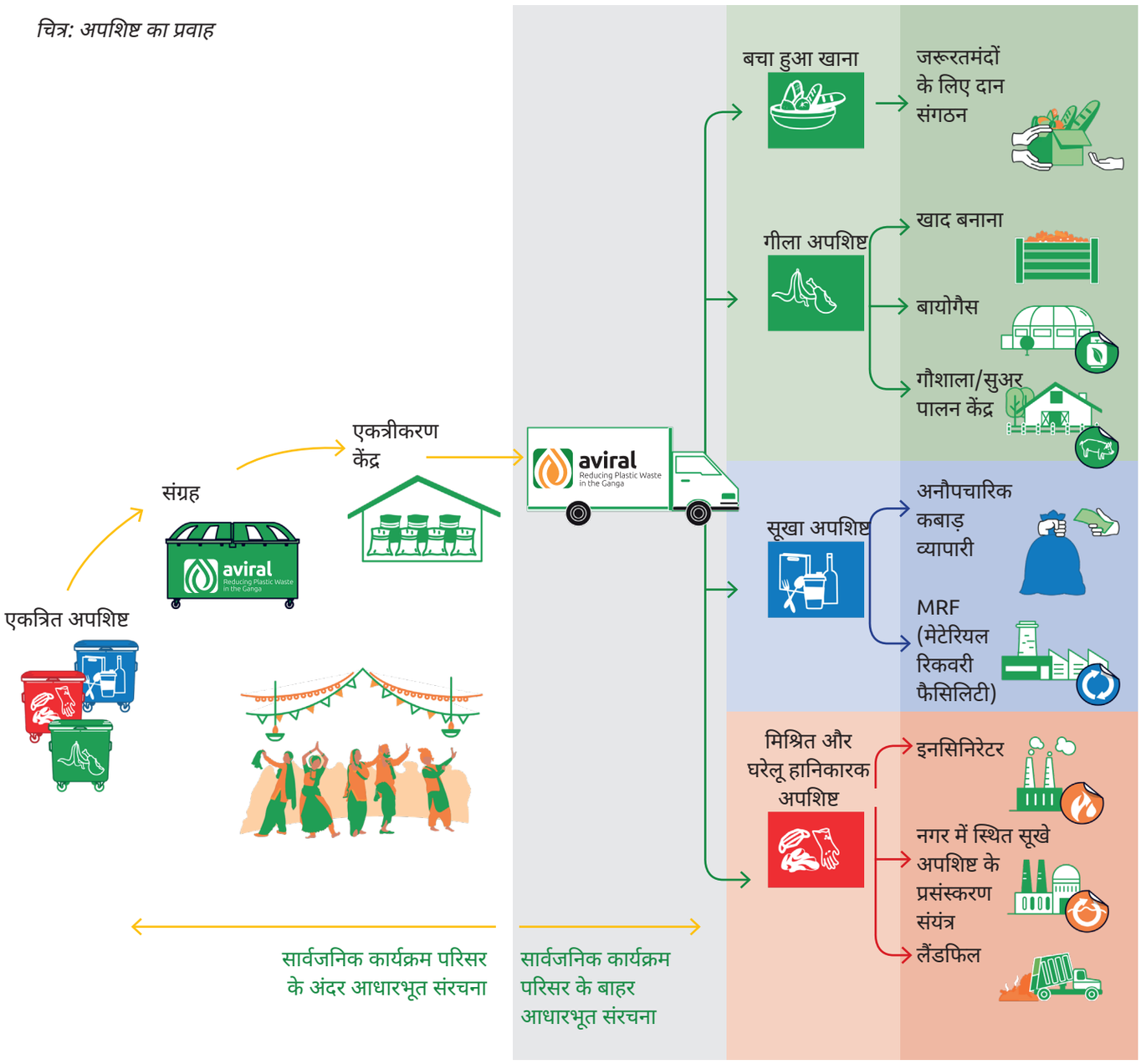

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 11 02-06-2022 07:32:36 PM

कूड़ेदानों की निकासी एवं अपशिष्ट का परिवहन

1. खाद्य स्टालों, मनोरंजन शो, शौचालय, पानी के डिस्पेंसर, प्रवेश और निकास बिंदु आदि जैसे प्रमुख गतिविधि क्षेत्रों को चिन्हित करें, जहां ज्यादा अपशिष्ट उत्पन्न होगा। ऐसे क्षेत्रों में और उनके पास अतिरिक्त कूड़ेदान रखें ताकि लोगों को अपशिष्ट को फेंकने के लिए ज्यादा दूर न जाना पड़े। कूड़ेदान और आवश्यक श्रम शक्ति के विवरण के लिए **अनुलग्नक 1** देखें।.
2. अपशिष्ट के उचित पृथक्करण को सुनिश्चित करने के लिए सफाई कर्मचारियों और/या स्वयंसेवकों को कूड़ेदानों पर नियुक्त रहना चाहिए। सफाई कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों को आयोजन स्थल के विभिन्न क्षेत्रों में नामित किया जाना चाहिए और कर्मचारियों और पर्यवेक्षक से संपर्क करने का तरीका स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए। कार्यक्रम शुरू होने से पहले सफाई कर्मचारी/स्वयंसेवकों को कूड़ेदानों पर नियुक्त किया जाना चाहिए।
3. सफाई कर्मचारियों या पर्यवेक्षकों को कूड़ेदानों को पूरा भर कर गिरने से बचाने के लिए समय-समय पर कूड़ेदानों को खाली करते रहना चाहिए। अप्रत्याशित रूप से कूड़ेदानों को खाली करने की सूचना कर्मचारियों और/या स्वयंसेवकों द्वारा निर्दिष्ट क्षेत्र के अपशिष्ट पर्यवेक्षक को दी जानी चाहिए।
4. दूरी के अनुसार अपशिष्ट को कूड़ेदानों से एकत्रण केन्द्रो तक हाथ-गाड़ी या साईकिल रिक्शा से ले जाया जाना चाहिए।
5. लोडर/हेल्पर द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अपशिष्ट की लोडिंग/अनलोडिंग के दौरान अपशिष्ट इधर उधर ना गिरे।
6. अपशिष्ट के नियंत्रण के समय सभी कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे: दस्ताने, मास्क, जूते, और कोट/एप्रन का उपयोग करना चाहिए।

अपशिष्ट को एकत्रण क्षेत्र एवं अंतिम गंतव्यों/प्रसंस्करण केन्द्रों तक पहुँचाना

1. एकत्रीकरण क्षेत्र इतना बड़ा होना चाहिए कि कूड़ेदान से एकत्र किए गए अपशिष्ट को अलग-अलग श्रेणी के अनुसार एकत्र किया जा सके। यदि उत्पन्न होने वाला अनुमानित अपशिष्ट 500 किलोग्राम प्रति दिन है (जिसमें गीला अपशिष्ट हर दिन साफ किया जाएगा और सूखे अपशिष्ट को एकत्रीकरण क्षेत्र में दो दिनों से अधिक समय तक नहीं रखा जाएगा) के लिए 180-220 वर्ग फुट क्षेत्र को अपशिष्ट के एकत्रीकरण क्षेत्र के रूप में आवंटित किया जाना चाहिए ।
2. अपशिष्ट का एकत्रीकरण क्षेत्र आदर्श रूप से आयोजन परिसर के अन्दर या आस-पास होना चाहिए ।
3. वाहन को अपशिष्ट के एकत्रीकरण क्षेत्र पर अलग-अलग करके खाली किया जाना चाहिए । किसी भी प्रकार के मिश्रित अपशिष्ट को अलग कूड़ेदान में रखा जाना चाहिए।
4. विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट के वजन करने के लिए एक तराजू होनी चाहिए। कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन एकत्र किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट की मात्रा को रिकॉर्ड भी करना चाहिए।
5. अपशिष्ट को प्रसंस्करण के लिए अलग-अलग रूप में एकत्र किया जाना चाहिए।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 12 02-06-2022 07:32:36 PM

6. प्रत्येक दिन के अंत में सामान्यतः गीले और घरेलू हानिकारक अपशिष्ट का कम से कम एक बार संग्रह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह आयोजन जितने दिनों तक चलेगा उसके अनुसार स्वच्छ सूखे अपशिष्ट को 2-3 दिनों या उससे ज्यादा दिनों के लिए एकत्र किया जा सकता है और उसके बाद, आगे की प्रक्रिया के लिए ले जाया जा सकता है।

7. अलग-अलग अपशिष्ट के प्रसंस्करण केन्द्रों/अंतिम गंतव्यों तक परिवहन की निगरानी अपशिष्ट पर्यवेक्षकों द्वारा किया जाना चाहिए।

8. कार्यक्रम आयोजक प्रसंस्करण केन्द्रों/अंतिम गंतव्यों से एक प्राप्ति-पत्र लेने के लिए जिम्मेदार है कि प्रसंस्करण के लिए अपशिष्ट प्राप्त किया गया है और/या प्रसंस्करण केन्द्रों/अंतिम गंतव्यों द्वारा अलग किए गए अपशिष्ट की प्राप्ति का कोई अन्य पर्याप्त प्रमाण प्रदान किया जाना चाहिए।

9. उत्पन्न अपशिष्ट की कुल मात्रा, पृथक्करण स्तर और संसाधित अपशिष्ट की मात्रा का आकलन करने के लिए कार्यक्रम के दौरान और अंत में अपशिष्ट का लेखा-जोखा तैयार किया जाना चाहिए।विक्रेताओं, स्टॉलधारक, सफाई कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों, स्वयंसेवकों और यदि संभव हो तो प्रतिभागियों (कार्यक्रम के दौरान) से अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली पर प्रतिक्रिया ली जानी चाहिए। लेखा परीक्षा (ऑडिट) के निष्कर्ष भविष्य के सार्वजनिक आयोजनों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन की योजना, प्रक्रियाओं और प्रणालियों में सहायता कर सकते हैं।

आपदा प्रबंधन

1. आयोजन में एक वैकल्पिक मार्ग योजना होनी चाहिए जिसमें आपदाओं या बड़ी दुर्घटनाओं के मामले में अपशिष्ट के परिवहन के लिए निकास मार्ग शामिल हों। वैकल्पिक मार्ग वही नहीं होना चाहिए जो प्रतिभागियों द्वारा उपयोग किया जाता है।

2. कार्यक्रम के आयोजकों के पास शहर और जिला स्तर पर आपात कालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों के टेलीफोन नंबर और अन्य संपर्क विवरण होने चाहिए।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 13 02-06-2022 07:32:36 PM

जागरूकता एवं सहयोग गतिविधि

1. कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व निर्देश , लेबल्स, डिस्प्ले स्क्रीन एवं अन्य सूचनात्मक सामग्री लगाएं।
2. मुख्य गतिविधि वाले स्थानों पर ऑडियो सन्देश लगातार चलाये जाये।
3. कार्यक्रम के निमंत्रण, कार्यक्रम के पहले और इसके दौरान महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश के लिए प्रासंगिक सोशल मीडिया चैनलों और आयोजन वेबसाइटों का उपयोग करना और यह प्रचार करना कि यह एक शून्य अपशिष्ट आयोजन (जीरो वेस्ट इवेंट) है। जीरो वेस्ट इवेंट का मतलब होगा डंप साइट/लैंडफिल में डाले जाने वाला अपशिष्ट कार्यक्रम में उत्पन्न कुल अपशिष्ट के 10% से कम है।
4. प्रतिभागियों को अपने स्वयं के कपड़े या अन्य प्रकार के बैग, पानी की बोतल इत्यादि लाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और इन संदेशों को आयोजन के निमंत्रण, टिकट और अन्य प्रचार में शामिल किया जाना चाहिए।
5. प्रतिभागियों को साथ जोड़ने और कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक और फ्लैश मॉब जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वयंसेवकों को साइनेज(संकेतक पट्टियां) प्रदान करें।
6. सभी सन्देश/दिशा निर्देश और गतिविधियाँ स्थानीय भाषा में होनी चाहिए।
7. आयोजन से पहले या टिकट जारी करने के साथ-साथ विभिन्न हितधारकों को अपशिष्ट प्रबंधन दिशा-निर्देश और प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची डिजिटल रूप से भेजें।
8. नीचे दिए गए विषयों पर जागरूकता:
   - स्त्रोत पर ही पृथक्करण और सही कूड़ेदान का उपयोग
   - खुले में अपशिष्ट फेंकने पर प्रतिबन्ध
   - स्त्रोत पर ही पृथक्करण से संसाधनों की प्राप्ति
   - एकल उपयोग प्लास्टिक और/या डिस्पोजेबल्स का स्थायी विकल्प

अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित जागरूकता और जोड़ने के लिए उदाहरणार्थ सामग्री यहां उपलब्ध हैं।

नोट: यदि आयोजक के पास एक वर्ष में कई कार्यक्रम हैं तो एक समूह/एसोसिएशन/व्हाट्सएप समूह बनाये जहाँ इच्छुक स्वयंसेवकों को पंजीकृत किया जा सके। यह उन्हें आगामी कार्यक्रम के बारे में सूचित करने और उनके लिए कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करने में मदद करेगा।

नोट: प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित करें।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 14 02-06-2022 07:32:37 PM

भूमिका एवं जिम्मेदारी

कार्यक्रम आयोजक

1. इसी तरह के सार्वजनिक आयोजनों का मूल्यांकन करें और कार्यक्रम में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे की पहचान करें।
2. नोडल ऑफिसर और/या नगर निकाय में अपशिष्ट की देखरेख करने वाले विभाग को सूचित करें और समझें कि यह और/या अधिकृत सेवा प्रदाता अपशिष्ट प्रबंधन में कैसे मदद कर सकता है।
3. इन दिशा-निर्देशों के अनुसार और लागू कानून के अनुसार अपशिष्ट प्रबंधन योजना तैयार करें।
4. विभिन्न हितधारकों की पहचान करें जो इस आयोजन का हिस्सा होंगे जैसे कि स्टॉलधारक, विक्रेता, ट्रांसपोर्टर, सफाई कर्मचारी और पर्यवेक्षक, अंतिम गंतव्य / प्रसंस्करण सुविधा केंद्र आदि।
5. स्टॉलधारक, विक्रेताओं, सफाई कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों, स्वयंसेवकों और अन्य हितधारकों के लिए प्रशिक्षण का एक कार्यक्रम तैयार करें और सार्वजनिक कार्यक्रम से पहले इन प्रशिक्षण सत्रों को समय-समय पर आयोजित करें।
6. आयोजन मंडल के विभिन्न सदस्यों, स्टॉलधारक, विक्रेताओं, सफाई कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों और अन्य हितधारकों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां तैयार करें।
7. अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के उपायों और एकल उपयोग प्लास्टिक और डिस्पोजेबल के स्थायी विकल्पों का मूल्यांकन करें।
8. कूड़ेदान की निगरानी/प्रबंधन, आई० ई० सी०/IEC गतिविधियों में सहायता आदि के लिए स्वयंसेवकों को बुलाएं।
9. अपशिष्ट प्रबंधन योजना को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचनाओं की खरीद।
10. सफाई कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों सहित आवश्यक सहयोग हेतु व्यक्तियों को नियुक्त करें।
11. सुनिश्चित करें कि अपशिष्ट को संभालने वाले लोगों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे दस्ताने, मास्क, जूते और एप्रन / चौग़ा / कोट प्रदान किए जाते हैं और कर्मचारियों द्वारा उनका ठीक से उपयोग किया जाता है।
12. कूड़ेदान से एकत्रण क्षेत्र तक अपशिष्ट के संग्रहण के लिए एक समय सारणी तैयार करें और लागू करें एवं सुनिश्चित करें कि अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों के लिए एक निगरानी प्रणाली उपलब्ध है।
13. अपशिष्ट को उचित प्रसंस्करण केन्द्रों में पैक कर भेजें और सुनिश्चित करें कि आयोजन में उत्पन्न कोई भी अपशिष्ट खुले स्थानों, सड़कों या जल निकायों में जलाया या फेंका नहीं जाता है।
14. जनता के बीच अपशिष्ट पृथक्करण, कूड़े-अपशिष्ट फ़ैलाने पर प्रतिबन्ध और संसाधन में बदलाव के बारे में जागरूकता पैदा करना।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 15 02-06-2022 07:32:37 PM

15. एकत्र किए गए प्रत्येक प्रकार के अपशिष्ट को अपशिष्ट डेटा संग्रह के लिए एकत्रण बिंदु (ओं) पर प्रतिदिन तौला जाना चाहिए।
16. कार्यक्रम के बाद कमियों की पहचान करने के लिए एक ऑडिट आयोजित करें, जो भविष्य के सार्वजनिक आयोजनों के अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रक्रियाओं और प्रणालियों की योजना बनाने में सहायता करेगा।
17. अपशिष्ट प्रबंधन योजना पर स्टॉलधारकों, विक्रेताओं, प्रतिभागियों, सेवा प्रदाताओं, स्वयंसेवकों आदि से प्रतिक्रिया एकत्र करें।
18. किसी भी हितधारक द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन दिशानिर्देशों का पालन न करने पर दंड के लिए नगर निकायों के साथ समन्वय करना।

विक्रेता और स्टॉलधारक

1. आयोजन के आयोजक द्वारा आवश्यक अपशिष्ट से संबंधित विवरण प्रदान करें।
2. कार्यक्रम के आयोजक द्वारा निर्धारित सभी प्रशिक्षणों में भाग लें।
3. आयोजक द्वारा दी गई समय-सीमा के भीतर स्टॉल को लगाने और हटाने से उत्पन्न अपशिष्ट का प्रबंधन करें और/या स्टॉल को लगाने और हटाने के परिणामस्वरूप अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए प्रासंगिक शुल्क का भुगतान करें।
4. स्टॉल के भीतर और आसपास उत्पन्न होने वाले विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट के लिए अलग-अलग कूड़ेदान रखें यानी गीला अपशिष्ट और सूखा अपशिष्ट स्टाल पर उत्पन्न और एकत्र किए गए अपशिष्ट को मिश्रित नहीं किया जाना चाहिए।
5. स्टॉल पर आने वाले लोगों द्वारा अपशिष्ट को अलग-अलग करना सुनिश्चित करें और स्टॉल के आसपास कूड़ा-करकट न हो।
6. एकल उपयोग प्लास्टिक या डिस्पोजेबल जैसी प्रतिबंधित वस्तुओं का उपयोग या वितरण न करें और सबंधित राज्य में प्लास्टिक प्रतिबंध का अनुपालन सुनिश्चित करें। टिकाऊ विकल्पों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है।
7. कार्यक्रम आयोजक द्वारा प्रदान किए गए अपशिष्ट प्रबंधन दिशानिर्देशों का पालन करें।
8. यदि स्टॉल में और उसके आस-पास कूड़ेदान भर जाते हैं तो कृपया क्षेत्र पर्यवेक्षक से संपर्क करें ताकि कूड़ेदानों को उनकी क्षमता से अधिक भरे जाने से बचा जा सके।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 16 02-06-2022 07:32:38 PM

सफाई कर्मचारी

1. प्रतिभागियों द्वारा अपशिष्ट को अलग-अलग करना सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों की मदद से कूड़ेदान का प्रबंधन/पर्यवेक्षण करें।
2. लोगों द्वारा यहाँ-वहाँ फेंके जाने वाले किसी भी अपशिष्ट को एकत्र कर उपयुक्त कूड़ेदान में जमा करें।
3. अपशिष्ट के संग्रह और परिवहन के दौरान गिरा हुआ कोई भी अपशिष्ट उपयुक्त कूड़ेदान में जमा करें ।
4. अपशिष्ट को संभालते समय हमेशा दस्ताने, मास्क, जूते और एप्रन/चौग़ा/कोट पहनें।
5. पूरा भर जाने जाने पर कूड़ेदान को खाली करना सुनिश्चित करें।
6. मिश्रित अपशिष्ट को एकत्रण बिंदु पर एक अलग कूड़ेदान/स्किप/क्षेत्र में निकालें।
7. संबंधित अंतिम गंतव्यों/प्रसंस्करण केंद्र तक ले जाने के लिए गीले, सूखे, घरेलू हानिकारक अपशिष्ट और मिश्रित अपशिष्ट को अलग-अलग रखें।
8. यह सुनिश्चित करें कि लोडिंग और अनलोडिंग के दौरान अपशिष्ट का कोई रिसाव न हो अथवा इधर फैले ।

पर्यवेक्षक

1. अपशिष्ट के पृथक्करण के लिए कूड़ेदानों की जाँच करें। यदि कूड़ेदानों में कोई मिश्रित अपशिष्ट पाया जाता है तो सुधारात्मक कदम उठाए।
2. सफाई कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उनकी मदद करें।
3. यह सुनिश्चित करने के लिए समय पर ढंग से कूड़ेदान से अपशिष्ट की निकासी की निगरानी करें कि कूड़ेदान से अपशिष्ट बाहर नहीं गिर रहा है और कूड़ेदान से अपशिष्ट एकत्रण क्षेत्र तक अपशिष्ट के परिवहन की निगरानी करें।
4. सफाई कर्मचारियों, कार्यक्रम के आयोजक और अन्य हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करें।
5. स्रोत पृथक्करण और कूड़ेदान के उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिभागियों से जुड़ें।
6. एकत्रण केंद्र पर एकत्रित अपशिष्ट को उतरवाने संबंधित प्रक्रियाओं की भी उचित निगरानी करें।
7. सफाई कर्मचारियों द्वारा अपशिष्ट के आगे पृथक्करण और मिश्रित अपशिष्ट को हटाने का पर्यवेक्षण करें।
8. विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट के वजन की निगरानी करें और हर दिन अपशिष्ट डेटा रिकॉर्ड करें।
9. अंतिम गंतव्यों/प्रसंस्करण केन्द्रों द्वारा एकत्रण बिंदु से अपशिष्ट के समय पर संग्रह हेतु समन्वय स्थापित करें।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 17 02-06-2022 07:32:39 PM

गतिविधियों की संभावित समय सारिणी

समय	कार्यक्रम आयोजक के लिए गतिविधियाँ
कार्यक्रम से 6 महीने पूर्व	› अपशिष्ट प्रबंधन योजना तैयार करें। वैकल्पिक रूप से, अपशिष्ट प्रबंधन योजना तैयार करने और कार्यान्वित करने के लिए एक अपशिष्ट प्रबंधन एजेंसी से सहयोग लें। › 3R- रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल का अनुसरण करके अपशिष्ट को कम करने पर ध्यान दें। › स्टालों, शो, आयोजनों, एकत्रण बिंदुओं, कूड़ेदानों आदि के क्षेत्रों के लिए कार्यक्रम परिसर का मानचित्रण करें।
कार्यक्रम से 6 से 5 महीने पूर्व	› प्रतिभागियों की संख्या और अपशिष्ट के प्रकार और मात्रा का आकलन। › आयोजन के लिए स्टॉलधारक और विक्रेताओं से बात करें और उनके द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट के प्रकार और मात्रा का आकलन करें। › स्रोत से अंत तक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दिशा निर्देश और प्रक्रियाएं तैयार करें। पालन न करने पर नगर निकाय द्वारा निर्धारित दंड का उल्लेख करें।
कार्यक्रम से 5 से 4 महीने पूर्व	› सभी आवश्यक आधारभूत संरचना की प्राप्ति के लिए सहयोगियों की पहचान और गठबंधन करें। › आवश्यक कर्मचारियों का आकलन एवं व्यवस्था करें। › उत्पन्न अपशिष्ट के प्रकार और मात्रा के अनुसार अंतिम गंतव्यों की पहचान करें और उन्हें अपने साथ जोड़ें।
कार्यक्रम से 4 से 3 महीने पूर्व	› प्रतिबंधित एवं अनुमति प्राप्त वस्तुओं की पहचान करें › हितधारकों के साथ परिचय बैठक आयोजित करें और इसके बारे में सूचित करें: - प्रतिबंधित और अनुमत सामग्री। - भूमिका और जिम्मेदारियां। - बुनियादी ढांचे और स्टालों की स्थापना के लिए समय सीमा। - आई० ई० सी०/IEC गतिविधियों के प्रकारों पर चर्चा करें। - अनुपालन के लिए प्रोत्साहन और गैर-अनुपालन के लिए दंड।
कार्यक्रम से 3 से 1 महीने पूर्व	› प्रारंभिक बैठक पर अनुवर्ती (आगे की) कार्यवाही के लिए सभी हितधारकों के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित करें। › कार्यक्रम को सोशल मीडिया और इवेंट वेबसाइट के माध्यम से शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम के रूप में प्रचारित करें। › सोशल मीडिया और इवेंट वेबसाइटों पर प्रतिभागियों के क्या करें और क्या न करें, को प्रकाशित करें। पालन न करने पर दंड का उल्लेख कीजिए। › स्वयंसेवकों को बुलाएं और भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को उन्हें बताएं । › कार्यक्रम के दौरान आई०ई०सी०/IEC गतिविधियों का निर्धारण एवं योजना बनायें।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 18 02-06-2022 07:32:39 PM

समय	कार्यक्रम आयोजक के लिए गतिविधियाँ
कार्यक्रम से 2 हफ़्तों से 1 दिन पूर्व	› आधारभूत संरचना स्थापित करें। › कर्मचारियों और स्वयंसेवकों और उनकी शिफ्ट को अंतिम रूप दें। › स्टॉलधारक स्टॉल लगाने का कार्य पूरा करें। › आयोजन शुरू होने से पहले उत्पन्न अपशिष्ट को हटाया जाएगा और प्रसंस्करण सुविधाओं को भेजा जाएगा।
कार्यक्रम के दिन	› पूर्व-निर्धारित आई० ई० सी०/IEC गतिविधियों को लागू करें। › हितधारक अपनी भूमिका और दायित्वों का निर्वाह करें। › बचा हुआ भोजन, गरीबों को खिलाने के लिए संगठन (ओं) को भेजा जाये या उनके द्वारा एकत्र किया जाए। › अपशिष्ट को एकत्र कर उचित प्रसंस्करण सुविधा केन्द्रों को भेजा जाए।
कार्यक्रम से 2 दिनों के अन्दर	› स्टॉलधारक स्टॉल हटायेंगे। अन्य निर्माण को हटाया जाना चाहिए। › स्टाल हटाने के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट को हटाकर प्रसंस्करण सुविधाओं में भेजा जाएगा। › किसी भी शेष अपशिष्ट को उचित प्रसंस्करण सुविधाओं के लिए भेजा जाना चाहिए।
कार्यक्रम से 1 हफ्ते बाद	› स्टॉलधारक , विक्रेताओं, स्वयंसेवकों, उपस्थित लोगों और कर्मचारियों से प्रतिक्रिया एकत्र करें। कमियों की पहचान करें। › हर दिन दर्ज किए गए अपशिष्ट डेटा को मिलाएं। › परिणामों का मूल्यांकन करें। › विचार करें कि किन गतिविधियों ने काम किया और किन गतिविधियों ने काम नहीं किया। › अगले कार्यक्रम के लिए सुझाव तैयार करें। › पर्यावरणीय प्रभाव को बढ़ावा देना।

उपरोक्त कार्यक्रम को इस आधार पर बदला जा सकता है कि कार्यक्रम छोटा है या आवृत्ति अधिक है।

लेकिन कार्यक्रम की योजना पहले से बनाना महत्वपूर्ण है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 19 02-06-2022 07:32:39 PM

क्या करें और क्या न करें

विक्रेता/ स्टालधारक

क्या करें	क्या न करें
स्टॉल लगाने और हटाने से निकलने वाले अपशिष्ट को अलग रखा जाएगा।	स्टाल में और उसके आसपास अपशिष्ट फेंकना एवं कूड़ा डालना।
स्रोत पर अपशिष्ट को अलग करें, विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट के लिए अलग-अलग कूड़ेदान उपलब्ध कराएं।	डिस्पोजेबल और/या एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग करना या वितरित करना।
सुनिश्चित करें कि अपशिष्ट का मिश्रण न हो।	कूड़ेदान में अपशिष्ट मिलाना।
पुन: प्रयोग किए जाने वाले और बायोडिग्रेडेबल उत्पादों का उपयोग करें। उदाहरण लिए केले के पत्ते, सुपारी के पत्ते की प्लेट, स्टील के चम्मच और कांटे।	कार्यक्रम के आयोजक द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन।
सुनिश्चित करें कि ग्राहक अपशिष्ट को उपयुक्त कूड़ेदान में ही डालें।	एकल उपयोग पेपर पैम्फलेट या विज्ञापन सामग्री का वितरण।
प्रतिबंध का पालन न करने पर जुर्माने और दण्ड से अवगत रहें।	कूड़ेदान/अपशिष्ट को कूड़ेदान के बाहर फेंकना।
विज्ञापनों के लिए डिस्प्ले स्क्रीन/शुभंकर/पुन: प्रयोग किए जा सकने वाले पोस्टर का उपयोग करें।	
आयोजन के लिए दिशा-निर्देशों की पूरी जानकारी रखें।	
कार्यक्रम से पहले सभी प्रशिक्षण सत्रों में भाग लें और ध्यान दें।	

प्रतिभागी

क्या करें	क्या न करें
अपना खुद का कपड़ा या जूट बैग, पानी की बोतल और चम्मच इत्यादि ले कर आयें।	कूड़ेदान में अपशिष्ट मिलाना।
टिशू पेपर का उपयोग करने के बजाय अपना रूमाल ले आयें।	प्रतिबंधित वस्तुएं लाना।
सभी अपशिष्ट को पृथक या अलग करके निम्न प्रकार से निस्तारित करना चाहिए: a. खाद्य या जैविक अपशिष्ट - हरा कूड़ेदान b. सूखा या अजैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट - नीला कूड़ेदान c. मास्क, दस्ताने, टिशू या सेनेटरी उत्पन्न अपशिष्ट - लाल कूड़ेदान	सफाई कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और अपशिष्ट पृथक्करण पर आयोजन करने वाली टीम के प्रति कठोर व्यवहार करना।
पानी की बोतलों के बजाय पानी के डिस्पेंसर का प्रयोग करें।	कूड़ा फैलाना/अपशिष्ट को कूड़ेदान के बाहर फेंकना।
अनुपालन न करने पर जुर्माने से अवगत रहें।	
कार्यक्रम के लिए दिशा निर्देश पढ़ें।	

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 20 02-06-2022 07:32:42 PM

स्वयंसेवक/वॉलेंटेयर्स

क्या करें	क्या न करें
सभी बैठकों में समय पर आए।	सफाई कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों और प्रतिभागियों के साथ बुरा व्यवहार।
जिम्मेदारी निभाएं।	कार्यक्रम के दौरान निर्देशों और जिम्मेदारियों की अनदेखी।
अपशिष्ट के पृथक्करण पर लोगों का मार्गदर्शन करें।	क्षमता से अधिक काम या जिम्मेदारी लेना जो किया नहीं जा सकता।
आयोजन टीम के निर्देशों का पालन करें।	आयोजन टीम को बुलाने के बजाय उन मामलों में सीधे शामिल होना जिन्हें आप संभाल नहीं सकते।
प्रतिभागियों द्वारा अपशिष्ट का पृथक्करण सुनिश्चित करने के लिए सफाई कर्मचारियों की सहायता करें।	कार्यक्रम के दिन बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहना।
यदि आवश्यक हो तो सफाई कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों और आयोजन दल के साथ समन्वय करें।	उस मुद्दे के बारे में जानकारी देना जिनके बारे में आपको स्वयं कोई जानकारी नहीं है।
आयोजनों में और उसके अलावा भी अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालें।	
डिस्पोजेबल / सिंगल यूज प्लास्टिक और विकल्पों के उपयोग पर जागरूकता फैलाना।	
कार्यक्रम से पहले सभी प्रशिक्षण सत्रों में भाग लें और ध्यान दें।	

सफाई कर्मचारी

क्या करें	क्या न करें
अपशिष्ट को संभालते समय हमेशा दस्ताने, मास्क और जैकेट/ एप्रन आदि का उपयोग करें।	दस्ताने और मास्क पहने बिना अपशिष्ट का रख-रखाव करना।
कार्यक्रम से पहले सभी प्रशिक्षण सत्रों में भाग लें और ध्यान दें।	बेवजह भटकना या घूमना।
हमेशा समय पर आए ।	प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों या किसी और के साथ बुरा व्यवहार।
अपने सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करें।	कूड़ेदान खाली करने या परिवहन के दौरान अपशिष्ट को मिलाना।
बार-बार हाथ धोएं।	कूड़ेदान को भर के गिरने देना।
कूड़ेदानों में अपशिष्ट का पृथक्करण सुनिश्चित करें।	

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 21 02-06-2022 07:32:43 PM

आस्था-आधारित संस्थाए एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

स्वच्छता एवं अपशिष्ट पर पवित्र ग्रंथों के मार्गदर्शन के माध्यम से, कई आस्था-आधारित संस्थाए (एफबीओ) ईश्वर द्वारा बनाई गयी इस पृथ्वी एवं इसके निवासियों को बचाने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन में योगदान कर रहे है। इन संगठनों द्वारा सर्वाधिक उपयोग (अपशिष्ट का प्रबंधन करने के लिए) में लाए जाने वाले माध्यमों में से एक माध्यम हाल के वर्षों में किए गए विभिन्न स्वच्छता अभियान है। इसके अतिरिक्त, ठोस अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए इन संस्थाओ द्वारा अपनाई गई कुछ अन्य विधियां है, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है।

इन संस्थाओं द्वारा उनके अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए किये गए कार्यों की सूची केवल निम्नलिखित उदाहरणों* तक ही सीमित नहीं है। अपितु यह इन संस्थाओं द्वारा अपनाए गए वर्तमान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की कुछ अच्छी प्रक्रियाओं की एक झलक देगा।

अपशिष्ट प्रबंधन पर इन संस्थाओं द्वारा वर्तमान की कुछ अच्छी प्रक्रियाएं (प्लास्टिक के लिए विशिष्ट प्रक्रिया को पीले रंग में इंगित किया गया है)

संस्था का नाम	संग्रह (स्रोत)	प्रबंधन (पुनर्चक्रण)	वैकल्पिक उपाय
आर्ट ऑफ़ लिविंग	पूजा स्थलों और सरकारी कार्यालयों में 18 अपशिष्ट पृथक्करण और प्रबंधन संयंत्र स्थापित किए [1]।	पायरोलिसिस प्लांट, 200 किलोग्राम प्लास्टिक को ईंधन, गैस और कार्बन (डामर सड़कों के लिए प्रयुक्त काला कार्बन) में परिवर्तित करता है । [2]	बागवानी और प्राकृतिक खेती । [3]
बिश्नोई समाज	प्लास्टिक मुक्त पृथ्वी अभियान - धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल, झीलें, तालाब और नदी के किनारे।	रसोई और बगीचे के अपशिष्ट से खाद।	पेड़ों की लकड़ियों और गोबर का उपयोग खाना पकाने के ईंधन के लिए
कारितास इंडिया और घाना	'जीवन चक्र के लिए रीसायकल' अभियान (तमिलनाडु) - अपशिष्ट पृथक्करण, प्लास्टिक अपशिष्ट उपयोग, जैव खाद और पोषण उद्यान। [4] प्रभावी ई-अपशिष्ट प्रबंधन (प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट) पर हितधारकों कि बैठक। [5]		
चर्च ऑफ़ साउथ इंडिया (सी0एस0आई0)	हरित विद्यालय कार्यक्रम	बायोगैस प्लांट का वितरण	लेंटेन 2019, ईश्वरीय सन्देश - डिस्पोजेबल प्लास्टिक से बचें।
सीआर पार्क काली मंदिर सोसायटी		जैविक अपशिष्ट खाद मशीन [6]	
सी.वाई.एन.ई.एस.ए	उचित अपशिष्ट प्रबंधन पर बहु-विश्वासी महिलाओं की वकालत प्रशिक्षण। [7]		
धर्मयोग फाउंडेशन	समुदाय और युवाओं के साथ अपशिष्ट प्रबंधन अभियान।		
इकोसिख	3 आर (रीयूज - पुन: उपयोग, रीड्यूस - कम करें, रीसायकल - पुनर्चक्रीकरण) और जैविक संस्कृति पर जागरूकता। [8]		

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 22 02-06-2022 07:32:43 PM

संस्था का नाम	संग्रह (स्रोत)	प्रबंधन (पुनर्चक्रण)	वैकल्पिक उपाय
एक ओंकार चैरिटेबल ट्रस्ट सीचेवाल	प्राकृतिक खेती और सामुदायिक अपशिष्ट प्रबंधन । [9]		
फादर एग्नेल स्कूल (उत्तर प्रदेश)	हरित विद्यालय का दर्जा दिया।		
गायत्री परिवार, देव संस्कृति विश्वविद्यालय	नदी, तीर्थ, ग्रामीण और शहरी सफाई परियोजनाएं - निर्मल गंगा जन अभियान, स्वच्छ हरिद्वार परियोजना (पॉलीथीन और नशा के उपयोग पर प्रतिबंध)। [10].	कम्पोस्ट प्लांट्स	जीरो कार्बन फुटप्रिंट कैंपस।
गोबिंद सदन		कम्पोस्ट प्लांट्स	
अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ	सतत खपत पर जलवायु विवरण (यूएनएफसीसीसी पेरिस, सीओपी21, आदि)।		
इस्कॉन (गोवर्धन इको-विलेज))	शून्य अपशिष्ट समुदाय (अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सहजीवी पुनर्चक्रण मॉडल); टाइड टर्नर प्लास्टिक चैलेंज के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया ।		
		प्लास्टिक अपशिष्ट से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन (100-150 किलोग्राम प्लास्टिक से 18,720 लीटर ईंधन)।	
लाइफ अप और फॉरवर्ड + जी.एम.डब्ल्यू.डी.ए	अभियान - 'कार्रवाई का सप्ताह', 'उपवास तोड़ना' कार्यक्रम, आदि (पवित्र पुस्तकों से 'हरित मार्ग' के हैंडआउट्स। [11]		
लिव टू इंस्पायर और साजन शाह फाउंडेशन			रोपण योग्य पेंसिल (अविषाक्त एवं जैविक) अभियान –40,000 पेंसिल लगाई गई।
निशान ए सिख चैरिटेबल ट्रस्ट खदुर साहिब		**सामुदायिक जैविक खेती और खाद।**	छात्रों/कर्मचारियों के बीच ईको बैग बांटे गए।
परमार्थ निकेतन आश्रम	गंगा एक्शन परिवार (जीएपी) - स्वच्छ गंगा नदी (उचित अपशिष्ट निपटान और पुनर्चक्रण सुनिश्चित करें)। जन जागरूकता - नदी तक पहुंचने वाले अपशिष्ट को कम करें [12]।		'वेस्ट टू वेल्थ' तकनीक - गीले और सूखे अपशिष्ट का निपटान। उत्पादित, राख का उर्वरक के रूप में उपयोग[13]
फिलीपीन-मिसरेओर पार्टनरशिप इंकॉर्पोरेटेड		'पुराने गैजेट्स से खनिजों का पुनर्चक्रण, खनन का विकल्प' पर जागरूकता [14]।	
प्रकृति व्यवस्था समाख्या:		टिकाऊ कृषि पर जागरूकता - खेत और ठोस अपशिष्ट।	

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 23 02-06-2022 07:32:43 PM

संस्था का नाम	संग्रह (स्रोत)	प्रबंधन (पुनर्चक्रण)	वैकल्पिक उपाय
श्रीमद् राजचंद्र मिशन		बायो कम्पोस्ट + ऑर्गेनिक किचन गार्डन।	
	युवा केंद्रित पर्यावरण कार्यक्रम - जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन।		
आस्था का मंदिर- बहाई समुदाय		अपशिष्ट पृथक्करण और पुनर्चक्रण पर सामुदायिक परियोजनाएँ।	
यूनिटी कॉलेज	अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम।		
वीरयतन	निवासियों द्वारा गीले और सूखे अपशिष्ट को अलग-अलग अलग करते हुए उसका निपटान करना।	खाद गड्ढों के माध्यम से खाद।	कागज रहित परिसर, प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश - पुन: प्रयोज्य बैगों का वितरण।
यूनिवर्सल वर्सटाइल सोसाइटी	हरित विद्यालय और परिसर - जैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट और प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक पर जागरूकता।		इको फ्रेंडली गणपति प्रतिमा पर कार्यशाला।

एक आयोजन के बाद अपशिष्ट पृथक्करण

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 24 02-06-2022 07:32:44 PM

अपशिष्ट ऑडिट एवं आयोजनों से सीखना

नीचे दिया गया अपशिष्ट ऑडिट प्रारूप आपको उचित प्रबंधन के साथ-साथ किसी कार्यक्रम में उत्पन्न अपशिष्ट के विश्लेषण में मदद करेगा। इस ऑडिट फॉर्मेट का इस्तेमाल कार्यक्रम के दौरान और बाद में दोनों जगह किया जा सकता है। कृपया अधिक विवरण और आवश्यक जरूरतों के लिए सार्वजनिक आयोजनों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दिशा निर्देश देखें।

कार्यक्रम का विवरण

कार्यक्रम का नाम*	
आयोजन का स्थान*	
आयोजन परिसर का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर/वर्ग फीट), यदि संभव हो तो	
शहर*	
कार्यक्रम के आयोजक का नाम*	
सार्वजनिक कार्यक्रम की तिथियां *	
क्या आयोजन में प्लास्टिक लाइनर/एकल उपयोग वाले प्लास्टिक/डिस्पोजेबल का उपयोग किया गया था?	

अपशिष्ट उत्पादकों का विवरण

प्रति दिन प्रतिभागियों की औसत संख्या*		
खाद्य विक्रेताओं/स्टालधारकों की संख्या*		
भोजन परोसने के लिए विक्रेताओं/स्टालधारकों द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं की सूची		
अन्य विक्रेताओं/स्टालधारकों की संख्या और प्रकार	प्रकार	संख्या

Useful Tool: Use our Waste audit after your event.

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 25 02-06-2022 07:32:44 PM

बुनियादी व्यवस्थाओं का विवरण

कृपया आयोजन के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों का विवरण भरें। कृपया कार्यक्रम के आधार पर इसे अनुकूलित करें। अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन से बचने के लिए सुधार की आवश्यकता वाले कारकों का पता लगा के बुनियादी ढांचे के मात्रात्मक पहलुओं का विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है।

कूड़ेदानों की संख्या *	सूखा अपशिष्ट	
	गीला अपशिष्ट	
	घरेलु हानिकारक अपशिष्ट	
क्या सभी कूड़ेदानों पर उचित संकेत और लेबल थे? (हाँ/ना) *		
क्या आयोजन में अपशिष्ट प्रबंधन जागरूकता के लिए अन्य संकेत लगाए गए थे?*		
एकत्रण बिंदु का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर/वर्ग फीट) *		
कूड़ेदानों पर तैनाती के लिए सफाई कर्मचारियों की संख्या (जैसा लागू हो) *	शिफ्ट 1 (8 घंटे)	
	शिफ्ट 2 (8 घंटे)	
एकत्रण बिंदु पर सफाई कर्मचारियों की संख्या (जैसा लागू हो)*	शिफ्ट 3 (8 घंटे)	
	शिफ्ट 4 (8 घंटे)	
क्या कर्मचारी नियमित रूप से पीपीई पहने हुए थे? (Y N)*		
कर्मचारियों की कमी या या अधिकता, यदि कोई हो, को सूचीबद्ध करें।*		

Trainings

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी
	क्या हितधारकों के लिए कार्यक्रम से पूर्व प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए थे? यदि हां, तो कितने प्रशिक्षण सत्र और किसके लिए? *	

Useful Tool: Use our Waste audit after your event.

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 26 02-06-2022 07:32:45 PM

अपशिष्ट संबंधित डेटा

यह महत्वपूर्ण है कि अपशिष्ट का वजन दिशानिर्देशों में निर्धारित और निम्नलिखित तरीके से किया जाता है। कृपया कार्यक्रम के प्रकार के अनुसार उत्पन्न होने वाले किसी अन्य विशिष्ट प्रकार के अपशिष्ट का अपशिष्ट डेटा जोड़ें।

(दिनों की संख्या लिखें) दिनों के कार्यक्रम में कुल उत्पन्न अपशिष्ट:			
अपशिष्ट का प्रकार (एकत्रीकरण बिंदु पर तौला गया अपशिष्ट या अंतिम प्रसंस्करण केन्द्र द्वारा तौला गया अपशिष्ट)	मात्रा (कि. ग्रा. में)	अंतिम गंतव्य का नाम	अंतिम गंतव्य द्वारा अपशिष्ट की प्राप्ति का लिखित प्रमाण(हाँ/ना)
बचा हुआ/अदूषित भोजन			
गीला अपशिष्ट			
सूखा अपशिष्ट			
घरेलू हानिकारक अपशिष्ट			
मिश्रित अपशिष्ट			
प्रतिभागियों या विक्रेताओं/स्टॉलधारक द्वारा प्लास्टिक लाइनर्स/एकल उपयोग वाले प्लास्टिक/डिस्पोजेबल का उपयोग।			
[कृपया बड़ी मात्रा में उत्पन्न कोई विशिष्ट प्रकार का अपशिष्ट, उदाहरण के लिए, स्टालों से लकड़ी का विवरण दे]			
कुल			

आयोजक द्वारा भरा जाये:

आयोजन की योजना और कार्यान्वयन, संबंधित कर्मचारियों के साथ बातचीत, विक्रेताओं/स्टॉलधारक और प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया और कार्यक्रम के निरीक्षण से कोई निष्कर्ष या अंतर्दृष्टि लिखें।
1. 2.

Useful Tool: Use our Waste audit after your event.

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 27 02-06-2022 07:32:45 PM

अनुलग्नक 1
कूड़ेदानों एवं कर्मचारियों की संख्या के लिए मानक

स्थान एवं कूड़ेदानों की संख्या

1. भोजन के स्टाल, मनोरंज शो, शौचालय, पानी के डिस्पेंसर, कार्यक्रम के प्रवेश एवं निकास बिंदुओं जैसे प्रमुख गतिविधियों वाले क्षेत्रों में कूड़ेदान **अनिवार्य रूप से** रखे जाने चाहिए।

2. जहाँ तक संभव हो, कूड़ेदानों को अपशिष्ट के उत्सर्जन बिंदुओं (जैसे स्टालों) से 10-15 मीटर या 35-50 फीट के अंदर ही रखा जाना चाहिए।

3. कूड़ेदानों की संख्या की गणना निम्नलिखित आधार पर की जा सकती है:

3.1. स्टालों के प्रकार:

› हर तीसरे बिना खाने वाले स्टॉलों के बीच में एक डबल बिन का सेट रखा जा सकता है। इस सेट को रखते समय यह ध्यान रखें कि स्टालों से डिब्बे की दूरी और स्टालों पर लोगों की भीड़ कितनी है।

› औसतन प्रत्येक 2 खाने के स्टालों के लिए एक डबल बिन सेट रखा जा सकता है, इस अनुमान के साथ कि इन स्टालों पर लगातार और लगभग एक समान लोगो की भीड़ आती रहेगी। यह अनुमान भोजन की प्रकृति, उपयोग की जा रही पैकेजिंग और उपयोग किए जा रहे डिस्पोजेबल, लोगो की संख्या आदि जैसे कारकों के आधार पर परिवर्तित होता रहता है।

3.2. प्रतिभागियों और परोसे जाने वाले भोजन की संख्या:

क्रम सं०	परोसे जाने वाले भोजन की संख्या	डबल बिन सेट की न्यूनतम संख्या (प्रत्येक 1000 व्यक्तियों के लिए)*
1	0	2
2	1-2	3
3	3	3

*यह मानते हुए की कूड़ेदान निर्धारित समय पे साफ़ एवं खाली किये जाते है अथवा भर जाने पर उन्हें बदल कर दुसरे कूड़ेदान को रखा जाता है ।

इस अनुलग्नक में दी गई आवश्यक कर्मचारियों की संख्या और बुनियादी संरचना का विवरण सांकेतिक है एवं इसे पूर्णतया निश्चित और अंतिम नहीं माना जाना चाहिए। इस बात को दृष्टिगत रखते हुए कि अपशिष्ट उत्सर्जन सीधे सीधे सार्वजनिक आयोजनों के प्रकार, कार्यक्रमों में बेचे / वितरित किए गए उत्पादों, उपयोग किए गए डिस्पोजेबल की संख्या और उनके प्रकार तथा स्टालों के प्रकार जैसे कारकों से भी जुड़ा हुआ है। कार्यक्रमों में कूड़ेदान और श्रमशक्ति की आवश्यकताएं काफी भिन्न भी हो सकती हैं। इन दिशा-निर्देशों को उपयोग करने वाले व्यक्तियों को इस अनुलग्नक का उपयोग यहाँ निर्धारित कारको के साथ साथ अन्य कारकों को भी ध्यान में रखते हुए करना चाहिए।

Useful Tool: Use our Normative Standards during your event.

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 28 02-06-2022 07:32:45 PM

3.3. **सार्वजनिक आयोजन का क्षेत्र:**

क्रम सं०	क्षेत्र (वर्ग फीट में)	डबल बिन सेट की न्यूनतम संख्या
1	3000	2
2	3000-6000	3
3	6000-9000	4
	प्रत्येक 3000 वर्ग फ़ीट के लिए एक अतिरिक्त डबल बिन सेट रखा जाए।	

नोट: बिंदु 3.1, 3.2 और 3.3 के संबंध में, कृपया ऐसे दृष्टिकोण को अपनाएं जिसमें पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान सुनिश्चित करने के लिए अधिकतम डबल बिन सेट प्रदान होता हो।

4. कार्यक्रम के आयोजक सूखे अपशिष्ट के डिब्बे के बजाय एचडीपीई बैग पर भी विचार कर सकते हैं। इससे गीले और सूखे अपशिष्ट के लिए अलग-अलग डिब्बे के बीच प्रतिभागियों के बीच कम भ्रम हो सकता है। केटरिंग वाले आयोजनों के लिए, डिब्बे का एक विकल्प जमा केंद्र हो सकता है, जहां पर सभी आगंतुक/प्रतिभागी अपना अपशिष्ट दे सकते है। इन जमा केंद्रों पर आए अपशिष्ट को किसी एक प्रशिक्षित कर्मचारी द्वारा अलग-अलग कूड़ेदानों में अलग किया जा सकता है।

आवश्यक कर्मचारियों की संख्या

1. सामान्यतः, अपशिष्ट के पृथक्करण को सुनिश्चित करने के लिए लगभग सभी डबल बिन के सेट को कर्मचारियों/स्वयंसेवकों द्वारा ही संचालित किया जाना चाहिए। हालांकि, लोगो की कमी वाली स्थिति में, आयोजक को यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि खाने के स्टालों पर या उसके पास के कूड़ेदान कर्मचारियों/स्वयंसेवकों द्वारा अनिवार्य रूप से संभाले जा रहे है।
2. प्रत्येक 5 डबल बिन के सेट के लिए, 2 कर्मचारियों को बिन को बदलने /अपशिष्ट को एकत्रण क्षेत्र तक ले जाने के लिए नियुक्त किया जाना चाहिए।
3. एकत्रण क्षेत्र पर आने वाले अपशिष्ट के अनुसार निम्नलिखित संख्या में स्टाफ की आवश्यकता होगी:

क्रम सं०	मात्रा / प्रति दिन (किलो में)	अलग किया हुआ अपशिष्ट	मिश्रित अपशिष्ट
1	500	2	2
		प्रत्येक 500 किलोग्राम अतिरिक्त अपशिष्ट के लिए 1 कर्मचारी	प्रत्येक 250 किलोग्राम अतिरिक्त अपशिष्ट के लिए 1 कर्मचारी

Useful Tool: Use our Normative Standards during your event.

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 29 02-06-2022 07:32:45 PM

अनुलग्नक-2

आस्था, शास्त्र और अपशिष्ट प्रबंधन

प्रकृति में कुछ भी अपशिष्ट नहीं है, इसके द्वारा इस पृथ्वी को ऐसे अतुल्य उपहारों से संपन्न किया है, जो खुद को विघटित और पुन: उत्पन्न करते हैं। हालाँकि, मानव के हस्तक्षेप से उत्पन्न हुआ अपशिष्ट ठीक प्रकार से प्रबंधित करने पर एक संसाधन भी बन सकता है। इसी प्रकार से यदि गंगा और उसके आसपास के अपशिष्ट का प्रबंधन सही प्रकार से नहीं किया जाता है, तो यह आसपास के वातावरण को अत्यधिक प्रभावित कर सकता है । यह न केवल पृथ्वी पर बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संबंध में हमारे स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है । जैसा कि कई धर्मों और पंथों में भी इसे समझाया गया है एवं सभी धार्मिक ग्रंथों में पर्यावरण की रक्षा सम्बन्धी संदेश होते हैं, जिसमें सतत विकास की धारणाएं भी अंतर्निहित होती हैं [15]।

विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के शास्त्रीय संदर्भ एक सांस्कृतिक/पारंपरिक जीवन शैली का सुझाव देते हैं जो कम से कम अपशिष्ट के साथ अधिक जिम्मेदार जीवन शैली को अपनाने के महत्व पर बल देती है। इस प्रकार व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर अपशिष्ट का प्रबंधन करना अनिवार्य हो जाता है।

Baha'i:

इस खंड को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम फेथ फॉर अर्थ इनिशिएटिव और काउंटर मेसर्स परियोजना द्वारा विकसित किया गया है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 30 02-06-2022 07:32:47 PM

बहाई

"शुद्ध आँख से दृष्टि और परमेश्वर का मिलन समझ में आता है; शुद्ध नथनों से बाउंटी के गुलाब-उद्यान का इत्र प्रवेश करता है ; शुद्ध हृदय सत्य की सुंदरता का दर्पण बन जाता है। तब यह स्पष्ट है कि दिव्य शिक्षाएँ स्वर्गीय अनुग्रह और ईश्वर की दया की वर्षा हैं, जो मनुष्यो के दिलों को शुद्ध करती हैं। (अब्दुल-बहा कोटेशन बुक में उद्धरण)

बहाई धर्म स्वच्छता और पवित्रता के सिद्धांतों की प्रतिपूर्ति करता है, जो एक स्वतंत्र और शुद्ध आत्मा के लिए सभी परिस्थितियों में एक

चित्र - *बहाई मंदिर*
स्त्रोत *- मैथ्यू द्वारा छवि TenBruggencate/unsplash.com*

आवश्यकता है। घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन और जैविक खाद्य खरीद दोनों में बहाई आस्था का महत्व "संपूर्ण मानव जाति कि एकता" के सिद्धांत का प्रतिफल है [16] ।

> *"असंख्य निर्मित चीजें जो अस्तित्व की दुनिया में पाई जाती है - चाहे वे मनुष्य, पशु, पौधे या खनिज हों - प्रत्येक तत्व से बना होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रत्येक वस्तु में दिखाई देने वाली पूर्णता ईश्वरीय रचना से, घटक तत्वों से, उनके उपयुक्त संयोजन, उनके अनुपातिक माप, उनकी रचना के तरीके और अन्य निर्मित चीजों के प्रभाव से उत्पन्न होती है। क्योंकि सभी प्राणी एक जंजीर कि तरह आपस में जुड़े हुए है; और पारस्परिक सहायता, सहायता और बातचीत उनके आंतरिक गुणों में से है और उनके गठन, विकास और विकास का कारण है।"* ('अब्दुल-बहा, कुछ उत्तरित प्रश्न, अध्याय. 46, पृष्ठ. 205).

बहाई धर्म तत्वों कि एकता के बारे में मार्गदर्शन करता है [3] । सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है, और प्रदूषित पृथ्वी के लिए समाधान लाने के लिए हमें एक साथ मिलकर काम करना चाहिए जो कि कुछ और नहीं बल्कि हमारा एक हिस्सा है या बल्कि हम पृथ्वी का एक हिस्सा है [17] । एकता की तरह समानता का भी सिद्धांत है।

> *"इस संसार से केवल अपनी आवश्यकताओं के अनुसार ले लें और जो उनसे अधिक है उसे त्याग दें। अपने सब निर्णयों में समता का पालन करे, और न न्याय की सीमाओं का उल्लंघन करें, और न उसके मार्ग से भटकनेवालों में से रहें।"*
> (बहाउल्लाह, सूरी-ए-मुलुक §19, मेजबानों के यहोवा के सम्मन में, पृष्ठ. 193. हाइफ़ा, बहाई वर्ल्ड सेंटर, 2002).

> *"उनकी ज़रूरतों के अनुसार उन्हें प्रदान करें"* (बहाउल्लाह [तुर्की के सुल्तान को], बहाउल्लाह के लेखन से प्राप्तियाँ, अध्याय 14, पन्ना 235-236)

समानता, एकता और स्वच्छता के सिद्धांतों का पालन करते हुए, हमें पृथ्वी के संसाधनों का अधिक उपयोग न करके और उन्हें इस तरह से प्रबंधित करके न्याय करने का संदेश मिलता है कि यह पृथ्वी को प्रदूषित नहीं करेगा।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 31 02-06-2022 07:32:47 PM

बिश्नोई :

माना जाता है कि "बिश्नोई" शब्द की उत्पत्ति दो शब्दों बिश (20) और नोई (9) से हुई है, जिसका अर्थ 29 या 29 नियमों के अनुयायी है। बिश्नोई समुदाय 'गुरु जम्भेश्वर' की शिक्षाओं का पालन करता है जिन्होंने 29 नियम निर्धारित किए है। भीतर और बाहर के वातावरण से स्वच्छता के महत्व को दर्शाने के लिए इनमें कई नियम है। नियमों में से एक कहता है; "अपना भोजन स्वयं पकाएं, जीवन के आदर्श नियमों का पालन करें: विनय, धैर्य या संतुष्टि, स्वच्छता" [18]। गुरु जम्भेश्वर के इस नियम के माध्यम से, बिश्नोई समुदाय को अपने आसपास के अपशिष्ट को कम करने के लिए अपने संसाधनों का प्रबंधन करके स्वच्छता का पालन करने के लिए निर्देशित किया जाता है।

बुद्ध धर्म:

बहाई में 'एकता' सिद्धांतों के समान, बौद्ध धर्म हमें 'सब कुछ कि अंतर-संबंधितता' या 'कारण / कर्म की श्रृंखला' का सिद्धांत सिखाता है। भगवान बुद्ध ने हमेशा अपने अनुयायियों को समझाया कि लोगों के अनैतिक कार्य, पर्यावरण व्यवस्था को असंतुलित करते है। मनुष्य और पर्यावरण के बीच एक संबंध है, और कर्म का सिद्धांत भी है [19]।

चित्र २ - ध्यान करते बौद्ध भिक्षु
*स्त्रोत - **4144132/Pixabay.com** के छवि द्वारा*

कर्म के सिद्धांत के माध्यम से, बौद्ध धर्म हमें सिखाता है कि पृथ्वी को नुकसान पहुँचाना (इसे अपशिष्ट के माध्यम से प्रदूषित करके), हम अपने लिए दुख की दुनिया बनाते है। हम सभी आपस में जुड़े हुए है, हमारे स्वार्थी कार्य न केवल हमें (कर्म के नियम के माध्यम से) कष्ट देंगे, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी कष्ट का कारण बनेगा [19]।

बुद्ध ने लोगों को सरलता से जीने और जीवन के प्राकृतिक चक्रों कि सराहना करने की शिक्षा दी। जीवन में सादगी के इस मूलभूत सिद्धांत को अपनाने से अनावश्यक प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और अति-उपभोग के बजाय अपशिष्ट न्यूनीकरण हो सकता है। भगवान बुद्ध ने हमें अपशिष्ट संरक्षण के बारे में भी सिखाया, जिसे उस आदेश में देखा जा सकता है जहां उन्होंने अपने अनुयायियों को जल निकायों में अपशिष्ट का निपटान करने से मना किया था [19], [20]।

बौद्ध दृष्टिकोण से, हम जिस वर्तमान समस्या का सामना कर रहे है, वह है स्वयं के अलावा किसी अन्य चीज़ के प्रति हमारा लालच, इच्छा और दृष्टिकोण [20]। भगवान बुद्ध के सिद्धांतों का पालन करके, हम एक ऐसी जीवन शैली अपना सकते है जिसका पृथ्वी और अपशिष्ट उत्पादन पर न्यूनतम प्रभाव हो।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 32 02-06-2022 07:32:48 PM

ईसाई धर्म:

"और मैं तुम्हें एक बहुतायत देश में ले आया कि उसके फल और उसकी अच्छी चीजों का आनंद लें। परन्तु जब तुम भीतर आए, तो मेरे देश को अशुद्ध किया, और मेरे निज भाग को घिनौना बना दिया।" (यिर्मयाह 2:7)

ईसाई धर्म में, यह माना जाता है कि हम अपने संसाधनों, हमारे ग्रह को नष्ट कर रहे है, जो भगवान ने हमारे लिए बनाया है, भगवान के लिए कुछ कीमती है [21]। पुराने नियम में प्रदूषण और अपशिष्ट से संबंधित कई संदर्भ है।

चित्र 3 - क्रूसीफिक्स और मूर्ति
*स्त्रोत - **Lazphoto/ Flickr.com** के छवि द्वारा*

> *"परन्तु पहले मैं उनके अधर्म और पाप का दुगना बदला दूंगा, क्योंकि उन्होंने मेरे देश को घिनौनी लाशों से अशुद्ध किया है, और मेरे विरासत को घिनौनी वस्तुओं से भर दिया है।"* (यिर्मयाह 16:18)

पुराने नियम के साथ-साथ, नए नियम में भी ऐसे ही सन्दर्भ है जहाँ परमेश्वर पवित्रता कि बात करते है।

> "और जिस किसी कि यह आशा उस पर टिकी है, वह वैसे ही अपने आप को पवित्र करता है, जैसे वह पवित्र है।" (1 जॉह्न 3:3)

> और जब उन्होंने भरपेट खा लिया, तो उन्होंने अपने चेलों से कहा, *"बचे हुए टुकड़े बटोर लो, कि कुछ खो न जाए।"* (जॉह्न 6:12)

ईसाई धर्म में पवित्रता को समझने के लिए मार्क के सुसमाचार का उपयोग किया जा सकता है, इसमें यीशु की शुद्धता के प्रमाण शामिल है:

> *"शैतान, परमेश्वर का शत्रु और स्वयं अशुद्धता, यीशु पर आक्रमण करता है और उसे अशुद्ध करने का प्रयास करता है; वह विफल रहता है। 'स्वर्गदूत आए और उनकी सेवा की"* (1:13)

इस प्रकार, ईसाई धर्म में, किसी भी मानवीय कार्य द्वारा पृथ्वी को नष्ट करना, हमारे मामले में - इसे प्रदूषित करना और इसे बर्बादी से नुकसान पहुंचाना पाप माना जाता है और यह हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य है कि हम भगवान द्वारा हमें जो दिया गया है उसकी रक्षा करें। [22]।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 33 02-06-2022 07:32:48 PM

हिन्दू धर्म:

"न कोच्चि: कुर्यता" - "और कोई अवशेष न छोड़ें"

(अस्तंब धर्मसूत्र 1.3.37)

"अष्टौ भीमौ निकानेता" - "यदि वह [वह सब कुछ नहीं खा सकता है जो उसने अपने पकवान में लिया है], तो वह [शेष] को दफन कर देगा।"

(अस्तंब धर्मसूत्र 1.3.38)

चित्र 4: मंदिर की दीवार पर हिंदू देवता

*स्त्रोत: **Dominik Vanyi/Unsplash.com** के छवि द्वारा*

हिंदू धर्म के विभिन्न पवित्र ग्रंथ पर्यावरण संरक्षण पर छंदों से भरे हुए है। ऋग्वेद के कुछ सन्दर्भों को 3Rs (रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकल) कि अवधारणा से जोड़ा जा सकता है। अगस्त्य धर्मसूत्र (उपर्युक्त) के दो मार्ग, मनुष्यों को भोजन बर्बाद न करने के लिए निर्देशित करते है। बचे हुए भोजन को मवेशियों को दिया जाना चाहिए और यदि यह साध्य नहीं है, तो इसे खाद में बदलने के लिए मिट्टी में वापस कर देना चाहिए।

मुंडक उपनिषद के श्लोक भी 'शून्य अपशिष्ट' के बीज को अंकुरित करते है, पुन: उपयोग / पुनर्चक्रण करते है [23]।

"यथोर्नाभि: सर्जते ग्रहणाते सा यथा पृथिवयामोषधय: सम्भवति /यथा सत: पुरुषात कैशलोमानि तथाक्षरात् सम्भवतीह विश्वम्।" (मंडुकोपनिषद 1.1.8)

अनुवाद: *"जिस प्रकार मकड़ी अपना जाल बुनती है, फिर उसे अपने आप में हवा देती है, जिस प्रकार पृथ्वी पर वनस्पति उत्पन्न होती है, उसी प्रकार ब्रह्मा वर्ण से ब्रह्माण्ड कि उत्पत्ति होती है और उसमें समा जाती है, कुछ भी नहीं रहता है; इसी तरह, वस्तुएँ फिर से पाँच तत्वों में विलीन हो जाती है।"*

इस प्रकार 'शून्य अपशिष्ट' के बीज सृष्टि में ही बोए जाते है। वे प्रकृति से उत्पन्न होते है और फिर उसमें विलीन हो जाते है [23]। विभिन्न वेदों और शास्त्रों से चित्रित पारंपरिक भारतीय जीवन शैली हमेशा उन वस्तुओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है जिनका पुन: उपयोग पर्यावरण को प्रदूषित किए बिना किया जा सकता है जैसे गन्ना, जूट, सन, गन्ना घास की चटाई, आदि [24]।

प्रस्तरेण बर्हिषा (यजुर्वेद 18.63) – बेंत घास की चटाईयाँ।

सिक्याणी (अथर्ववेद 9.3.6) - दूध, दही, घी आदि की रक्षा के लिए एक छिका (शिखर) ऊंचाई पर लटकाया जाता है। इसे बकल, सन या जूट की रस्सी से बनाया जाता है।

इन वस्तुओं को विघटित और उर्वरक और खाद के रूप में पुन: उपयोग किया जा सकता है, जो भूमि और पर्यावरण के लिए फायदेमंद है [24]। सदियों से, हिंदू प्रेरित-आधारित जीवन शैली में हमेशा 'कम करने, पुन: उपयोग करने और रीसायकल' करने के तरीके शामिल होते है। परंपरा को अपनाकर हम न्यूनतम अपशिष्ट कि जीवन शैली अपनाना सीखते है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 34 02-06-2022 07:32:48 PM

इस्लाम

"इसमें ऐसे लोग है जो पवित्रता का पालन करना पसंद करते है और अल्लाह पवित्रता बनाए रखने वालों से प्यार करता है।" (कुरान 9:108)

"आदम के बच्चे! हर समय और प्रार्थना के स्थान पर अपने सुंदर वस्त्र पहनो और खाओ और पियो। लेकिन अति मत बनो - वास्तव में भगवान फालतू से प्यार नहीं करते है।" (कुरान 7:31)

चित्र 5 – इस्लाम;
*स्त्रोत - **Abdullah Ghatasheh/Pexels.com***

पवित्रता इस्लाम का एक अनिवार्य हिस्सा है। इस्लाम इंसानों को अपने भीतर और आसपास स्वच्छता का पालन करने के लिए कहता है। इस्लामी धर्म इस बात का मार्गदर्शन करता है कि ईश्वर को फालतू काम पसंद नहीं है और जो कुछ अल्लाह ने दिया है उसे संरक्षित करना चाहिए [25], [26]।

۞ وَهُوَ ٱلَّذِىٓ أَنشَأَ جَنَّٰتٍ مَّعْرُوشَٰتٍ وَغَيْرَ مَعْرُوشَٰتٍ وَٱلنَّخْلَ وَٱلزَّرْعَ مُخْتَلِفًا
أُكُلُهُۥ وَٱلزَّيْتُونَ وَٱلرُّمَّانَ مُتَشَٰبِهًا وَغَيْرَ مُتَشَٰبِهٍ ۚ كُلُوا۟ مِن ثَمَرِهِۦٓ إِذَآ
أَثْمَرَ وَءَاتُوا۟ حَقَّهُۥ يَوْمَ حَصَادِهِۦ ۖ وَلَا تُسْرِفُوٓا۟ ۚ إِنَّهُۥ لَا يُحِبُّ ٱلْمُسْرِفِينَ ﴿١٤١﴾

अनुवाद: *"यह वही है जिसने बागों, खेती वाले और जंगली, और खजूर, और सभी प्रकार की उपज के साथ खेतों, और जैतून और अनार, समान (प्रकार में) और विभिन्न प्रकार के पैदा किए है। मौसम में उनके फल खाओ, लेकिन (गरीबों को) फसल के दिन उनका हक दो। और व्यर्थ मत करो, क्योंकि परमेश्वर व्यर्थ से प्रेम नहीं करता।"* (कुरान 6:141)

अपशिष्ट कई रूपों में हो सकता है। कुरान में संसाधनों कि अत्यधिक खपत को अपशिष्ट पैदा करने के लिए बेकार बताया गया है। कुरान कहता है कि कुरान के माध्यम से, इस्लाम हमें अपनी पवित्रता बनाए रखने और अपशिष्ट को कम करने के लिए मार्गदर्शन करता है, जिम्मेदार उत्पादन और उपभोग कि जीवन शैली के लिए एक और उदाहरण बताता है [27]।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 35 02-06-2022 07:32:48 PM

जैन धर्म:

बौद्ध धर्म के समान, जैन धर्म में भी कर्म, अहिंसा, दया और एकता के समान सिद्धांत है। जैन धर्म 'अपरिग्रह' के प्रमुख सिद्धांतों में से एक पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है, जिसका अर्थ है कि व्यक्ति को भौतिक चीजों के प्रति 'गैर-अधिकारिता' के सिद्धांत का पालन करना चाहिए जो आत्म-नियंत्रण, तपस्या, अति-भोग और स्वैच्छिक से निषेध के माध्यम से प्राप्त होता है। किसी कि जरूरतों में कटौती। ये सिद्धांत उन्हें शुद्ध शरीर, मन, आत्मा और परिवेश के साथ सरलता से जीने के लिए प्रेरित करते है। सादगी का परिणाम न्यूनतम संसाधन उपयोग और अपशिष्ट उत्पादन में होता है। [28,29]

चित्र 6 - महावीर
*स्त्रोत - **Arham Yoga/Pixabay.com** के छवि द्वारा*

यहूदी धर्म:

"मैं इस्राएल का परमेश्वर उन्हें न त्यागूंगा। मैं ऊँचे स्थानों पर नदियाँ और घाटियों के बीच में सोता खोलूँगा; मैं जंगल को जल का कुण्ड और सूखी भूमि को जल के सोते बना दूंगा।" (यशायाह 41:17-18)।

यहूदी धर्म में, यह माना जाता है कि ईश्वर ने मनुष्यों को पृथ्वी की रक्षा करने के लिए बनाया है और इसे किसी भी तरह से नुकसान या प्रदूषित नहीं किया है। पृथ्वी भगवान के ऋण कि तरह है, और हमें इसे संरक्षित करने की दिशा में काम करना चाहिए [30] ।

चित्र 7 - यहूदी धर्म,
*स्त्रोत - **hurk/Pixabay.com** के छवि द्वारा*

पृथ्वी (अपशिष्ट उत्पादन) को प्रदूषित करके हम इसे नष्ट कर रहे है। यहूदी अवधारणा, 'बाल तशित' (नष्ट न करें), हमें अनावश्यक रूप से नष्ट करने के लिए मना करती है [17]। प्राचीन यहूदियों में भी शुद्धता के कुछ विशिष्ट नियम थे जो अशुद्धता के स्तर के अनुसार वस्तुओं को क्रमबद्ध करते थे [31]।

"तू पवित्र ठहरना, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा पवित्र हूं" (लैव्यव्यवस्था 19:2)

इस प्रकार, प्राचीन यहूदी कानूनों और परंपरा में स्वच्छता एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो आज भी लागू होती है [31]।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 36 02-06-2022 07:32:49 PM

सिख धर्म:

"जब मैंने वास्तव में देखा, तो मुझे पता था कि सब कुछ आदिम था। नानक, सूक्ष्म (आत्मा) और स्थूल (भौतिक) वास्तव में समान है।"
(गुरु ग्रंथ साहिब, पृष्ठ 281)

चित्र 8 - गोल्डन टेम्पल गुरुद्वारा
*स्त्रोत - **Simarpreet Kaur/Unsplash.com** के छवि द्वारा*

बहाई और बौद्ध धर्म के प्रचार के समान, सिख धर्म भी 'सभी सृजन की परस्परता' के सिद्धांत पर जोर देता है। गुरु ग्रंथ साहिब विभिन्न संदर्भों [32] के माध्यम से आत्मा और पदार्थ की एकता की व्याख्या करते है। हम सब आपस में जुड़े हुए है, पृथ्वी हमारा एक हिस्सा है, हम पृथ्वी का एक हिस्सा है और अंत में हम सब ईश्वर के अंश है। हम किसी बाहरी रूप या प्राणी के स्वामी नहीं है और हमें इसे (अनावश्यक अपशिष्ट उत्पन्न करके) प्रदूषित करने का अधिकार नहीं है। सिख धर्म हमें फिजूलखर्ची के खिलाफ सिखाता है [33]।

"सृष्टिकर्ता ने स्वयं को बनाया ..... और सारी सृष्टि कि रचना कि जिसमें वह प्रकट है। आप स्वयं भौंरा, फूल, फल और वृक्ष है। तुम ही जल, मरुस्थल, सागर और तालाब। आप स्वयं बड़ी मछली, कछुआ और कारणों के कारण है। आपका रूप ज्ञात नहीं हो सकता।" (गुरु ग्रंथ साहिब, पृष्ठ 1016)

"ईश्वर-चेतन व्यक्ति इस दुनिया में अच्छा करने की तीव्र इच्छा के साथ अनुप्राणित होता है।" (गुरु ग्रंथ साहिब, पृष्ठ 273)

सिख धर्म में एक मान्यता है कि ईश्वर हर चीज का निर्माता है और हर रूप और सामग्री में मौजूद है। एक व्यक्ति जो ईश्वर में विश्वास करता है, वह उस चीज को नुकसान नहीं पहुंचाएगा जिसे ईश्वर ने हमें पोषित करने के लिए बनाया है। इस प्रकार, किसी भी रूप में ग्रह को नुकसान पहुंचाना (अपशिष्ट बनाना) सृष्टि के खिलाफ ही अन्याय होगा।

धर्मग्रंथ का अनुसरण करते हुए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रत्येक धर्म/विश्वास में संदेश होते है जहां उन्होंने अपने अनुयायियों से स्वच्छता बनाए रखने और आवश्यक उपभोग की एक साधारण जीवन शैली का पालन करके और अपने संसाधनों का उचित प्रबंधन करके अपशिष्ट का प्रबंधन करने के लिए कहा है।

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 37 02-06-2022 07:32:49 PM

सन्दर्भ

[1] "Reducing pollution with solid waste management," *Art of Living*. [Online]. Available: https://www.artofliving.org/in-en/projects/waste-segregation.

[2] The Times of India, "AOL recycling plant helps reduce plastic burden," *Art of Living*. [Online]. Available: https://www.artofliving.org/in-en/newsroom/press-report/aol-recycling-plant-helps-reduce-plastic-burden

[3] 'The Home Gardening Program,' *The Sri Sri Institute of Agricultural Sciences & Technology Trust*. [Online]. Available: https://www.ssiast.com/

[4] "Recycle for Life Cycle Campaign attracts children and youth in Tamil Nadu," *Caritas India*. [Online]. Available: https://www.caritasindia.org/recycle-for-life-cycle-campaign-attracts-children-and-youth-in-tamil-nadu/

[5] D. Avevor, "Caritas Ghana holds Stakeholders' Meeting On Effective E-Waste Management," *Caritas Ghana*, Oct. 8, 2019. [Online]. Available: https://www.caritas-ghana.org/index.php/2019/10/08/caritas-ghana-holds-stakeholders-meeting-on-effective-e-waste-management/

[6] A. Sethi, "Garbage creates jobs in Chittaranjan Park," *Deccan Herald*, Jan. 12, 2012. [Online]. Available: https://www.deccanherald.com/content/218596/garbage-creates-jobs-chittaranjan-park.html

[7] D. O. Abdi, "Insights from a Young, Muslim Faith Leader: My Experience at the CYNESA Multi-Faith Women Leaders' Advocacy Training on Proper Waste Management in Mombasa, Kenya," *CYNESA*. [Online]. Available: http://www.cynesa.org/insights-from-a-young-muslim-faith-leader-my-experience-at-the-cynesa-multi-faith-women-leaders-advocacy-training-on-proper-waste-management-in-mombasa-kenya/

[8] "Our Programs," *Eco Sikh*. [Online]. Available: https://ecosikh.org/

[9] "Mission: Environment," *Nirmal Kuteya Seechewal, Ek Onkar Charitable Trust*. [Online]. Available: http://www.nirmalkuteya.com/portal/mission/environment

[10] "Environment Protection Initiatives," *All World Gayatri Pariwar*. [Online]. Available: http://www.awgp.org/social_initiative/environmental

[11] "Faith Campaign," *LIFE up & forward*. [Online]. Available: https://upandforward.recycleforgreatermanchester.com/about-us/

[12] "Ganga Action Parivar (GAP): Protecting Mother Ganga & Mother Earth," *Sadhvi Bhagawati Saraswati*. [Online]. Available: https://www.sadhviji.org/seva/gap/

[13] "Kill Waste Solid Waste Management Technology Inauguration," *Parmarth Niketan*, Jan.

2018. [Online]. Available: https://www.parmarth.org/kill-waste-solid-waste-management-technology-inauguration/

[14] "Faith-based group calls for 'e-waste' management," *UCA News*, April 24, 2017. [Online]. Availabe: https://www.ucanews.com/news/faith-based-group-calls-for-e-waste-management/79024#

[15] UNEP, *Faith for Earth: Achievement Report, 2018-2019*, Feb. 27, 2020. [Online]. Available: https://www.unep.org/resources/report/faith-earth-achievement-report-2018-2019

[16] F. Zagonari, "Religious and secular ethics offer complementary strategies to achieve environmental sustainability," *Humanities and Social Sciences Communications*, vol. 8, no. 124, May 2021. [Online]. Available: https://www.nature.com/articles/s41599-021-00802-0

[17] "Baha'i Quotations on Environment and Sustainable Development," *International Environment Forum*. March 26, 2021. [Online]. Available: https://iefworld.org/cmpquotes.htm

[18] "29 rules," shrigurujambheshwar.com. [Online] Available: https://shrigurujambheshwar.com/29-rules/

[19] R.S. Rajapaksha, and A.G.A.U. Nandasiri, "The Buddhist Philosophical Perspective of Environmental Preservation and Management," *Journalism and Mass Communication*, vol. 6, no. 4, pages 226-236, April 2016. [Online]. Available: doi: 10.17265/2160-6579/2016.04.006

[20] K. Thathong, "A Spiritual Dimension and Environmental Education: Buddhism and Environmental Crisis," *Procedia - Social and Behavioral Sciences*, vol. 46, Pages 5063-5068, June 2012. [Online]. Available: https://doi.org/10.1016/j.sbspro.2012.06.386

[21] "An Online Bible Commentary You Can Understand," bibleref.com. [Online]. Available: https://www.bibleref.com/

[22] I. D. Somaratne, "The role of religion and environmental ethics in climate change," *Humboldt University Berlin*, 2017. doctoral dissertation. [Online]. Available: https://edoc.hu-berlin.de/bitstream/handle/18452/18415/somaratne.pdf?sequence=1

[23] S. S. Sastri, *Mundaka Upanishad with Shankara's Commentary*, 1905. [Online]. Availabe: Wisdom Library https://www.wisdomlib.org/hinduism/book/mundaka-upanishad-shankara-bhashya/d/doc145081.html

[24] India. Ministry of Housing and Urban Affairs, *Conservation in Lifestyle: Indian Heritage*. 2018 [Online]. Available: http://164.100.228.143:8080/sbm/content/writereaddata/NPC%20Sloka%20Book_FINAL%20Artwork.pdf

[25] The Holy Quran, "Chapter 6: 141 Ayah al-An`am (Cattle, Livestock)," *islamawakened.com*. [Online]. Available: Islam Awakened https://www.islamawakened.com/quran/6/141/

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 39 02-06-2022 07:32:49 PM

[26] Saad Al-Ghamadi, The Holy Quran, "Chapter 6: 141 sūrat l-an□ām (The cattle)," *corpus. quran.com*. [Online] Available: https://corpus.quran.com/translation.jsp?chapter=6&verse=141

[27] A. Abdelhamid, "Islamic Principles on Waste Minimization" *EcoMENA*, Dec. 31, 2018. [Online]. Availabe: https://www.ecomena.org

[28] "Jain Philosophy: The Art of Living," jainbeliefs.com. [Online]. Available: http://www.jainbelief.com/intro_jainism.htm

[29] J. Kelly, "Jain Beliefs" Jainpedia. [Online]. Available: http://www.jainpedia.org/themes/principles/jain-beliefs.html

[30] K. Sriranganathan, "Religious Views on Pollution" *Care for Planet*. [Online]. Available: https://careoftheplanet.weebly.com/religious-views-on-pollution.html

[31] J. H. Neyrey, "The idea of purity in mark's gospel". [Online]. Available: https://www3.nd.edu/~jneyrey1/Purity-Mark.html

[32] S. S. M. Singh, and A. T. Sahib, "Sikh Faith Statement on The Environment" *Interfaith Center for Sustainable Development,* 2003. [Online]. Available: https://www.interfaithsustain.com/sikh-faith-statement-on-the-environment/

[33] "Environmental Theology in Sikhism" *Eco Sikh*. [Onilne]. Available: https://ecosikh.org/environmental-theology-in-sikhism/

aviral_public_event_guidelines_Hindi.indd 40 02-06-2022 07:32:49 PM

अविरल
गंगा में प्लास्टिक अपशिष्ट
को कम करना

इसके द्वारा संचालित: ALLIANCE TO END PLASTIC WASTE

इसके द्वारा कार्यान्वित: giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

इसके सहयोग में: UN environment programme | SAAHAS 'zero waste' solutions

अविरल
गंगा में प्लास्टिक अपशिष्ट
को कम करना

सार्वजनिक आयोजनों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश

इसके द्वारा संचालित: ALLIANCE TO END PLASTIC WASTE

इसके द्वारा कार्यान्वित: giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

इसके सहयोग में: UN environment programme, FAITH FOR EARTH, SAAHAS 'zero waste' solutions, WASTE WARRIORS